वर्ष : 34 | अंक : 339 | मुंबई, रविवार, 15 फरवरी 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

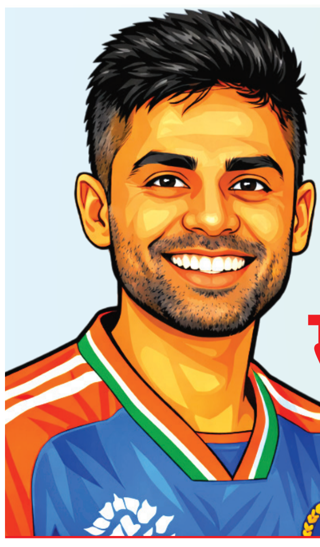

भारत-पाक के बीच आज महामुकाबला

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

भारत ने अब तक 16 मैचों में से 12 जीते

ब्रीफ न्यूज़

लिपस्टिक से बाथरूम में लिखी बम से उड़ाने की धमकी

डिब्रूगढ़। असम के डिब्रूगढ़ से कोलकाता आने वाले इंडिगो की एक फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई है। शनिवार को यह घटना उस वक्त हुई जब फ्लाइट के वाशरूम में लिपस्टिक से लिखा एक बम धमकी वाला संदेश मिला। अधिकारियों के मुताबिक फ्लाइट को शाम 7:37 बजे सुरक्षित उतारा गया और प्रोटोकॉल के तहत उसे आइसोलेशन में ले जाया गया है। सभी यात्रियों को भी सुरक्षित उतार लिया गया है।

खराब प्रदर्शन करने वाले मंत्रियों की जाएगी कुर्सी?

मुंबई। स्थानीय निकाय चुनावों में उम्मीद से कम प्रदर्शन के बाद शिवसेना नेतृत्व चिंतित है और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इसे गंभीर संकेत मानते हुए मंत्रियों और पार्टी संगठन के कामकाज की समीक्षा शुरू कर दी है। मराठवाड़ा और पश्चिमी महाराष्ट्र की कई नगरपालिकाओं में पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिली, जबकि महायुति में शामिल भारतीय जनता पार्टी को बेहतर परिणाम हासिल हुए हैं। सूत्रों के अनुसार, जिन जिलों में प्रदर्शन कमजोर रहा है वहां के मंत्रियों और पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी और लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई संभव है। साथ ही संगठन को मजबूत करने वाले नए और सक्रिय चेहरों को आगे लाने की रणनीति पर भी विचार किया जा रहा है, ताकि आगामी चुनावों से पहले पार्टी की स्थिति सुधारी जा सके।

10 राज्य-यूटी डेडलाइन तक फाइनल वोटर-लिस्ट पब्लिश करने से चूके

नई दिल्ली। देश के नौ राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में जारी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के तहत 7 फरवरी तक अपनी फाइनल वोटर लिस्ट पब्लिश नहीं कर सके। हालांकि, केंद्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप और पुडुचेरी ने शनिवार को अपनी फाइनल इलेक्टोरल रोल प्रकाशित कर दी। पुडुचेरी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के मुताबिक केंद्र शासित प्रदेश की फाइनल वोटर लिस्ट में 9,44,211 मतदाता के नाम हैं। वहीं, लक्षद्वीप में कुल 57,607 मतदाता सूचीबद्ध किए गए हैं। 12 राज्यों-UT में वोटर लिस्ट के SIR में करीब 51 करोड़ मतदाता शामिल हैं। चुनाव आयोग (EC) के मुताबिक कुछ राज्यों में काम समय पर पूरा नहीं हो सका। इसकी वजह यह रही कि वहां तय कार्यक्रम का ठीक से पालन नहीं किया गया। कई जगह निचले स्तर पर कामकाज में कमी रही, कुछ मामलों में राजनीतिक दखल भी हुआ और कुछ मुद्दे सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गए। इन कारणों से पूरी प्रक्रिया में देरी हुई। राजस्थान को भी शनिवार को अंतिम सूची जारी करनी थी, लेकिन पब्लिश डेट बढ़ाकर 21 फरवरी कर दी गई है। इससे पहले पश्चिम बंगाल की भी डेडलाइन बढ़ाकर 28 फरवरी और यूपी की 10 अप्रैल कर दी गई थी।

सस्ती होती जिंदगी

- निर्माणाधीन मुंबई मेट्रो के पुल का पैरापेट ऑटो-रिक्शा पर गिरा
- ऑटो-कार चपेट में आए; एक की मौत, तीन लोग घायल
- मुख्यमंत्री फडणवीस ने गहन जांच और दोषियों पर कार्रवाई का दिया आश्वासन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

कितनी सस्ती हो चुकी है न भारत के लोगों की जान। मौत होती है, कुछ मुआवजे का ऐलान होता है और जिम्मेदारी खत्म। ज्यादा से ज्यादा कोई जांच कमेटी गठित होगी। उसका रिपोर्ट आएगा। लगभग सभी बरी हो जाएंगे। बस इतनी सी जिम्मेदारी है। अगर जिम्मेदारी सही से निभाई जाए तो क्या ये मुआवजा देना पड़ेगा। नहीं न। जाँच नियमित हो। अधिकारी रिश्वत न ले और कागज़ों में सेफ़्टी चेक सर्टिफाइड न करे तो हादसा होता। नहीं न। मगर रोड पर गड्ढे से मौत... एक्सीडेंट में मौत... नाले में गिरकर मौत...इस सब मौतों पर हम ये बोलते हैं भाग्य... क्या आपको लगता है भाग्य में मौत थी। मतलब एक्ट ऑफ गॉड!!! जी नहीं, ये एक्ट ऑफ गॉड नहीं है। ये कायदे से एक्ट ऑफ गवर्नमेंट के कारण होता है। शुक्रवार को ही सरकार ने इस देश के सर्वोच्च संवैधानिक घर यानी संसद में स्वीकार किया कि भारत में गड्ढों की वजह से होने वाले सड़क हादसों में जान गंवाने वालों की संख्या पांच साल में 53 फीसदी बढ़ी है। 2020 से 2024 के बीच कुल 9,438 लोगों की जान गई। है न इस देश में सस्ती जिंदगी। ताजा मामला मुलुंड का है। मुंबई के मुलुंड में मेट्रो रेल की पटिया गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, तीन अन्य लोग घायल हो गए। इस पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गहन जांच करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि जांच में सुरक्षा, निर्माण के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों आदि पहलुओं को शामिल किया जाएगा। इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

इस तरह हुआ हादसा

शनिवार को दोपहर करीब 12:20 बजे मेट्रो प्रोजेक्ट के कार्य के दौरान मुलुंड (वेस्ट) के एलबीएस रोड पर यह हादसा हुआ। जॉनसन एंड जॉनसन फैक्टरी के पास गर्डर पुल की पैरापेट दीवार का एक स्लैब एक चलते हुए ऑटोरिक्शा पर गिर गया। हादसा इतना भयानक था कि ऑटोरिक्शा चकनाचूर हो गया। ऑटोरिक्शा के अलावा एक कार भी चपेट में आई। उसका आगे का दाहिना हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही मुंबई फायर ब्रिगेड (एमएफबी), स्थानीय पुलिस, मेट्रो स्टाफ और नगर निगम के अधिकारी मौके पर पहुंचे। घायलों को 108 एम्बुलेंस से पास के हॉस्पिटल ले जाया गया। इस भयानक हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए, जिनमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान रामधन यादव के रूप में हुई है, जबकि घायलों में राजकुमार इंद्रजीत यादव, महेंद्र प्रताप यादव और दीपा रूहिया शामिल हैं। राजकुमार इंद्रजीत यादव की स्थिति गंभीर बताई गई है।

एमएमआरडीए ने घायलों का खर्च उठाने का एलान किया

मृतक की पहचान रामधन यादव के रूप में हुई है, जिन्हें अस्पताल पहुंचने पर मृत घोषित किया गया। घायलों में राजकुमार इंद्रजीत यादव (45) गंभीर हालत में आईसीयू में हैं, जबकि महेंद्र प्रताप यादव (52) और दीपा रुहिया (40) की हालत स्थिर है। एमएमआरडीए ने घायलों का पूरा इलाज खर्च उठाने और प्रभावित परिवारों को नीति के अनुसार वित्तीय सहायता देने का एलान किया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मृतक के परिजनों को 5 लाख रुपए की अनुग्रह राशि की घोषणा की है।

मेयर रितु तावड़े ने लिया घटनास्थल का जायजा

घटना की जानकारी मिलते ही मुंबई की मेयर रितु तावड़े मौके पर पहुंचीं और हालात का जायजा लिया। मेयर रितु तावड़े, डिप्टी मेयर संजय घाड़ी और मुलुंड के MLA मिहिर कोटेचा ने मुलुंड (W) में LBS रोड एक्सीडेंट साइट का दौरा किया। इसके बाद वे पीड़ित परिवार को सांत्वना देने और घायलों का हालचाल जानने के लिए उपासनी हॉस्पिटल गए। मुंबई की मेयर रितु तावड़े ने कहा कि यह सच में बहुत दुख की बात है। MMRDA और संबंधित कॉन्ट्रैक्टर ने लापरवाही दिखाई है। इसकी वजह से एक व्यक्ति की मौत हो गई, और 3 अन्य घायल हो गए। इसे बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। मेयर ने कहा कि मुझे लगता है कि यहां संबंधित सुरक्षा नियमों का पालन किया जाना चाहिए था। MMRDA के साइट इंजीनियर, संबंधित कॉन्ट्रैक्टर और कंसल्टेंट इसके लिए जिम्मेदार थे। MLA और मैंने CM को इसकी जानकारी दी है।

MMRDA ने गठित की हाई-लेवल इंक्वायरी कमेटी

इधर MMRDA ने इस मामले की जांच के लिए एक हाई-लेवल इंक्वायरी कमेटी (HLIC) का गठन किया है। इस समिति का नेतृत्व MMRDA के मेट्रो पीआईयू (PIU) के निदेशक बसवराज एम. भद्रगोंड करेंगे। यह कमेटी इस बात की जांच करेगी कि निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों में कहां चूक हुई और इस स्लैब के गिरने का मुख्य तकनीकी कारण क्या था। प्राधिकरण ने स्पष्ट किया है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

घटनाओं को रोकने के लिए तत्काल शुरू किया जाएगा सुरक्षा ऑडिट

महाराष्ट्र सीएमओ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, ₹मुंबई के मुलुंड इलाके में मेट्रो कंस्ट्रक्शन स्लैब गिरने से हुए हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हो गए हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना पर दुख जताया है और घटना की जांच के आदेश दिए हैं।₹ पोस्ट में आगे कहा गया है, ₹राज्य सरकार मृतकों के परिवार वालों को 5 लाख रुपए की आर्थिक मदद देगी और घायलों के इलाज का खर्च राज्य सरकार उठाएगी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घायलों के जल्दी ठीक होने की प्रार्थना की है।₹ वहीं मुख्यमंत्री ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए सभी ऐसे स्थलों पर तत्काल सुरक्षा ऑडिट शुरू किया जाएगा।

क्या सो कॉल्ड इंफ्रा मैन सीएम मुलुंड हादसे की जिम्मेदारी लेंगे: सपकाल

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने सीधे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर निशाना साधा है। सपकाल ने यह सवाल उठाया है कि क्या तथाकथित इंफ्रा मैन मुख्यमंत्री इस हादसे की जिम्मेदारी लेंगे? या सिर्फ इसलिए मामले को रफा-दफा कर देंगे क्योंकि वह भ्रष्टाचार में शामिल हैं? सपकाल ने आगे कहा कि जब आबादी वाले इलाकों में मेट्रो का काम चल रहा है, तो सेफ्टी का ध्यान क्यों नहीं रखा जा रहा है?

जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई: डीसीपी

डीसीपी मुंबई हेमराज सिंह राजपूत ने बताया कि मुलुंड की घटना को लेकर जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मेट्रो के निर्माणाधीन ब्रिज का एक कंक्रीट का पार्ट नीचे गिर गया। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन व्यक्ति घायल हैं। तीनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बीजेपी शासन में ज़िंदगी की कोई कीमत नहीं: आदित्य ठाकरे

विपक्ष के नेता और शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने कहा, "बीजेपी शासन में ज़िंदगी की कोई कीमत नहीं है। मेट्रो लाइनों से हिस्से गिर रहे हैं, असुरक्षित परिवहन हो रहा है, कार और बाइक खुले गड्ढों में गिर रही हैं और घंटों तक कोई मदद नहीं मिलती। यह शर्म की बात है। जल्द ही ऐसा दिन आएगा जब दूसरे देश भी हमारे देश में इन चीजों को लेकर यात्रा चेतावनी जारी करेंगे।"

लापरवाही, हादसा या हत्या

दायित्वनामा

यह अजब-सा समय है, जहां इंसानियत दुनियाभर के लोकतांत्रिक मूल्यों से, मनुष्य की स्वतंत्रता से संचालित होने का दावा कर रही है...! पर मनुष्य अपनी स्वतंत्रता को शायद ही समझ रहा है.!! लोग स्वतंत्रता और स्वायत्तता के बीच का अंतर भूल गए से लगते हैं।

अरुण लाल
arunlal.y@gmail.com

मुंबई के मुलुंड इलाके में निर्माणाधीन मुंबई मेट्रो लाइन-4 के पिलर का स्लैब सड़क से गुजरते ऑटो पर गिर गया, जिसमें प्राथमिक तौर पर एक की मौत होने और 4 लोगों के घायल होने की सूचना आई है। वीडियो और रील के जमाने में असंवेदनशील लोग रिक्शे में फंसे लोगों का वीडियो बनाते देखे गए। वास्तव में यह समझ में नहीं आ रहा कि इसे हादसा कहें, लापरवाही कहें या हत्या...!

गौरतलब है कि भारत और दुनियाभर में हजारों-हजार इमारतें हैं, जो सैकड़ों सालों से मजबूती से खड़ी हैं। वहीं यहां बनते हुए पुल, ताजा बने पुल, सड़कों का हाल बेहाल है...! जबकि आधुनिक युग में बेहतरीन टेक्नोलॉजी के तहत और मजबूत पुल, सड़कें और इमारतें बनाई जानी चाहिए। वर्तमान में हमारी समझ और संसाधन दोनों बेहतर हुए हैं, ऐसे में सवाल यह है कि फिर क्यों हो रहे हैं यह हादसे। मैं समझता हूं, यही इंसान स्वतंत्रता और स्वायत्तता के बीच का अंतर समझ नहीं पा रहा।

जो लोग इन पुलों को बनाते हैं, बनाने का आदेश देते हैं, जो इसकी निगरानी करते हैं, वे सब दुनियाभर के संसाधनों से परिपूर्ण होते हैं। पर उनकी लालसा इतनी बढ़ चुकी होती है कि वे अपनी ठूंस कर भरी तिजोरी को और भरने के लिए, खराब मटेरियल, कम और अयोग्य लोगों को इन कामों में लगाते हैं। अयोग्यता इंसान को लापरवाह बनाती है, और यही कारण बनता है ऐसे हादसों का...

इस भीषण हादसे ने एक परिवार को पूरी तरह से तोड़कर रख दिया। हादसे की जानकारी के बाद महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने तत्काल मृतक के परिजनों के लिए 5 लाख रुपए की घोषणा कर दी, उन्होंने घायलों की समुचित व्यवस्था कराई। पर यहां हम उनका ध्यान इस ओर ले आना अपना दायित्व समझते हैं कि उन्हें इस मामले में कठोर होकर दोषियों का दमन करना होगा। स्लैब का इस तरह से गिरना सामान्य लापरवाही नहीं है। यह दुर्घटना और बहुत बड़ी हो सकती थी...

हाल ही देश में कई पुल और निर्माणाधीन सड़कें अचानक धराशायी हो गई हैं, इनके मामले में कठोर कार्रवाई के नाम पर नीचे के लोगों को सजा देकर असली दोषी बच निकलता है। ऐसे में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को इसके दोषियों को कठोर सजा दिलाकर एक मिसाल बनानी चाहिए, ताकि आने वाले समय में किसी परिवार को ऐसे हादसे में तबाह न होना पड़े। और ठूंस कर भरी तिजोरी वालों से अनुरोध है कि निश्चित रूप से आप धन के पीछे दौड़ लगाएं, पर इंसान होने के नाते हमेशा भयभीत रहें कि कहीं आपकी दौड़ किसी इंसान की लाश पर न हो... क्योंकि आप चाहे जो जमा कर लें, ईश्वर के पास सादा ही जाना होगा, अपने किए का हिसाब चुकाना होगा...!

मंत्रालय रिश्वत प्रकरण

झिरवल तक जांच की आंच

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मंत्रालय में सामने आए रिश्वत कांड से राज्य के खाद्य एवं औषधि प्रशासन मंत्री नरहरी झिरवल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। उनके कार्यालय में कार्यरत क्लर्क राजेंद्र ढेरंगे को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने 35 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़ा। आरोप है कि उसने एक मेडिकल स्टोर का निलंबित लाइसेंस बहाल कराने के बदले कुल 50 हजार रुपये की मांग की थी और पहली किस्त लेते समय गिरफ्तार हुआ। शुरुआत में मंत्री झिरवल ने मामले से खुद को अलग बताया था और कहा था कि दोष सिद्ध होने पर वे इस्तीफा देंगे। हालांकि, पूछताछ में आरोपी क्लर्क ने दावा किया कि उसने मंत्री के निजी सहायक रामदास गाडे के कहने पर पैसे लिए।

कार्यक्रम रद्द, मंत्री 'नॉट रीचेबल'

विवाद बढ़ने के बाद मंत्री झिरवल ने अपने सभी तय कार्यक्रम रद्द कर दिए हैं। नासिक में प्रस्तावित राज्य स्तरीय आदिवासी साहित्य संस्कृति सम्मेलन के उद्घाटन में भी वे नहीं पहुंचे। आयोजकों के अनुसार उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है, जिससे प्रशासनिक और राजनीतिक स्तर पर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कैबिनेट मंत्री छगन भुजबल ने कहा कि कार्रवाई की पुलिस जांच जारी है और सच्चाई जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगी।

ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे दौड़ेंगी ट्रेन और कारें

देश की पहली अंडरवॉटर रेल-रोड टनल को मंजूरी

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने असम में ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे भारत की पहली सड़क-सह-रेल सुरंग के निर्माण को मंजूरी दे दी है। यह परियोजना गोहपुर (NH-15) से नुमालीगढ़ (NH-715) तक 33.7 किलोमीटर लंबे चार-लेन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर का हिस्सा है, जिसमें ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे 15.79 किलोमीटर लंबी ट्विन-ट्यूब सुरंग शामिल है। कुल लागत 18,662 करोड़ रुपये है और इसे इंजीनियरिंग-प्रोक्योरमेंट-कंस्ट्रक्शन (EPC) मॉडल पर विकसित किया जाएगा। यह भारत की पहली अंडरवाटर सड़क-सह-रेल सुरंग होगी, जो विश्व में अपनी तरह की दूसरी ऐसी संरचना होगी। वर्तमान में गोहपुर और नुमालीगढ़ के बीच की दूरी 240 किलोमीटर है, जो कालियाभम्भोरा पुल और काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान से होकर गुजरती है। छह घंटे लगते हैं।

कैबिनेट के अन्य फैसले

- रेल मंत्रालय की 18,509 करोड़ रुपये की लागत वाली तीन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं में कसारा-मनमाड, दिल्ली-अंबाला और बेल्लारी-होसापेट के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइन का निर्माण शामिल है।
- 1 लाख करोड़ का अर्बन चैलेंज फंड मंजूर
- नोएडा मेट्रो का 11.56 किमी विस्तार मंजूर

इस परियोजना के प्रमुख फायदे

पूर्वोत्तर भारत की कनेक्टिविटी में क्रांतिकारी बदलाव लाएंगे। यह असम, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड और अन्य राज्यों को सीधे लाभ पहुंचाएगी। माल ढुलाई की दक्षता बढ़ेगी, रसद लागत में भारी कमी आएगी और क्षेत्रीय व्यापार को गति मिलेगी। सुरंग में एक ट्यूब में सड़क (4 लेन) और दूसरी में रेलवे की व्यवस्था होगी, जो मल्टी-मोडल ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देगी। इससे चार प्रमुख रेलवे स्टेशन, दो हवाई अड्डे और दो अंतर्देशीय जलमार्गों से बेहतर जुड़ाव होगा। काजीरंगा जैसे पर्यटन स्थलों, आर्थिक केंद्रों और रसद हब्स की पहुंच आसान हो जाएगी।

1,200 करोड़ रुपये के जीएसटी घोटाले में सुनील बियानी को राहत

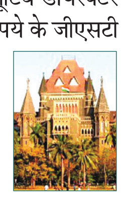

मुंबई। फ्यूचर ग्रुप के नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुनील बियानी को 1,200 करोड़ रुपये के जीएसटी घोटाले से जुड़े मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी से संरक्षण प्रदान किया है। न्यायमूर्ति एन आर बोर्कर ने यह कहते हुए राहत दी कि केंद्रीय जीएसटी प्राधिकरण ने अब तक सीजीएसटी अधिनियम की धारा 69 के तहत उनकी गिरफ्तारी का कोई आदेश पारित नहीं किया है, इसलिए इस स्तर पर उनकी गिरफ्तारी नहीं की जा सकती। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में ऐसा कोई आदेश पारित होता है, तो उसकी सूचना मिलने के बाद एक सप्ताह तक बियानी को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा।

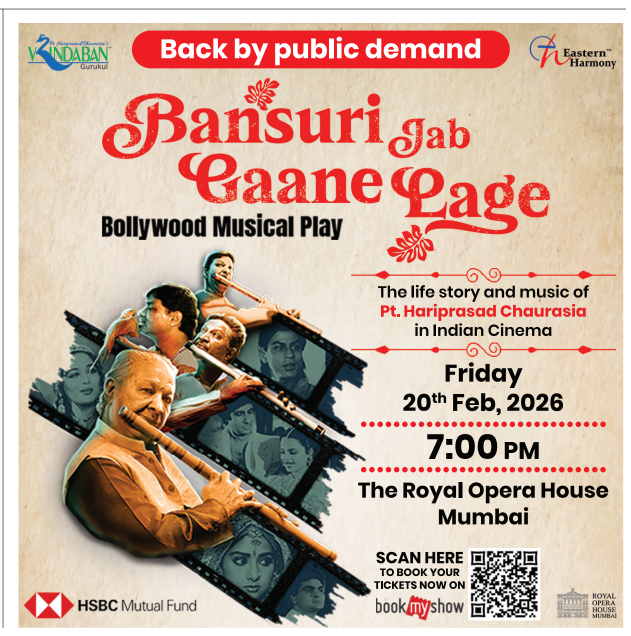

2.15 करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त, तीन गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । डोंबिवली

डोंबिवली के पलावा इलाके में पुलिस ने गश्त के दौरान 2.15 करोड़ रुपए के मादक पदार्थ के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपी नाइजीरियन नागरिक बताए जा रहे हैं। इस पूरे मामले की जांच मानपाड़ा पुलिस स्टेशन की टीम कर रही है। मामले की जांच कर रहे सहायक पुलिस निरीक्षक अनिल गायकवाड़ के अनुसार पुलिस टीम बीती रात पलावा इलाके में गश्त कर रही थी। इसी दौरान डोंबिवली पूर्व के उंबरली गांव स्थित गणेश नगर में सड़क किनारे तीन लोग संदिग्ध अवस्था में बातचीत और इशारे करते दिखे। उनमें से एक पीले रंग की दोपहिया वाहन पर बैठा था, जिसकी आगे और पीछे की नंबर प्लेट मुड़ी हुई थीं। उसके पीठ पर काला बैग भी था। शक के आधार पर जब पुलिस ने पूछताछ के लिए कदम बढ़ाया तो तीनों भागने लगे, लेकिन पुलिस ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। तलाशी के दौरान पुलिस ने उनके पास से करीब 2.15 करोड़ रुपए कीमत का मादक पदार्थ बरामद कर जब्त कर लिया।

चिकन और मटन अपशिष्ट का नहीं हो रहा है उचित निपटान

विनय दूबे । भाईंदर

मीरा-भाईंदर शहर में मटन और चिकन अपशिष्ट का निपटान नियमों के तहत नहीं हो पा रहा है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 के अनुसार मांस विक्रेताओं को स्रोत पर ही गीले और सूखे कचरे का पृथक्करण करना तथा इसे सार्वजनिक स्थलों या नालियों में न फेंकना अनिवार्य है। इसके विपरीत कुछ मांस विक्रेता चिकन और मटन का कचरा नालों में फेंक रहे हैं, जिससे जल प्रदूषण और सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा बढ़ रहा है। इस पर एमबीएमसी हरकत में आई है। हालांकि आरोप है कि निगम भी केवल 1 से 2 गुंठा भूमि में लैंडफिल कर औपचारिकता निभा रहा है, जबकि नियमानुसार लगभग 21 हजार वर्ग फुट भूमि आवश्यक है।

प्रसंस्करण इकाई अब तक स्थापित नहीं

स्वच्छ भारत अभियान के तहत केंद्र सरकार ने सभी नागरिक निकायों को मटन अपशिष्ट प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। नियमों के अनुसार इसके लिए 200 मीटर बफर जोन सहित लगभग 20 गुंठा (आधा एकड़) भूमि आवश्यक है, लेकिन मीरा-भाईंदर में अब तक ऐसी कोई इकाई स्थापित नहीं हो सकी है। वर्तमान में अपशिष्ट प्रसंस्करण परियोजना के तहत एकत्रित ठोस अपशिष्ट (हड्डियां) को उत्तन स्थित डंपिंग ग्राउंड में दफनाया जाता है। विभागीय जानकारी के अनुसार प्रतिदिन 8 से 10 टन कचरा निकलता है, जिसके परिवहन के लिए चार वाहन उपलब्ध हैं। इसमें से करीब दो टन कचरा भिवंडी के मत्स्य व्यापारियों को मछलियों के चारे के रूप में दिया जाता है, जबकि शेष को लैंडफिल या कम्पोस्टिंग द्वारा निपटाया जाता है। बकरीद के दौरान तीन दिनों में 80 से 100 टन तक कचरा निकलना सबसे बड़ी चुनौती बनता है।

वैज्ञानिक निपटान के नियम

अपशिष्ट को गीला-सूखा अलग कर नगर निगम के निर्धारित संग्रह केंद्र या बंद वाहनों में देना अनिवार्य है। नियमों के तहत खुले में कचरा जलाना प्रतिबंधित है। इसे कम्पोस्टिंग, रेंडरिंग (मांस-हड्डी का चूर्ण) या बायोगैस संयंत्रों में वैज्ञानिक तरीके से निपटाना चाहिए। मटन और चिकन की दुकानों में अपशिष्ट को पॉलिथीन बैग में बंद कर कीटाणुनाशक के साथ रखना आवश्यक है। नगर निगम के लाइसेंस के बिना चिकन या मटन की बिक्री और अपशिष्ट का निपटान गैरकानूनी है। नियमों के उल्लंघन, पृथक्करण न करने या नालियों व सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकने पर 300 से 5000 रुपए तक जुर्माने का प्रावधान है।

अतिक्रमण ने निगला डंपिंग ग्राउंड

पूर्व नगरसेवक रोहित सुवर्णा के अनुसार उत्तन स्थित डंपिंग ग्राउंड के लिए कुल 72 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध कराई गई थी, जिसमें से केवल 31 हेक्टेयर (76 .601 एकड़) में ही डंपिंग ग्राउंड विकसित हो सका है। शेष भूमि पर भू-माफियाओं द्वारा अतिक्रमण कर लिया गया है, जिसे हटाने में प्रशासन असमर्थ नजर आ रहा है।

विभाग का पक्ष

नाम न छापने की शर्त पर विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि नियमों के तहत ही चिकन और मटन कचरे का सुरक्षित निस्तारण किया जा रहा है। पर्यावरण सुरक्षा के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है। नागरिकों से अपील है कि वे स्वच्छता अभियानों में भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण में सहयोग करें, तभी शहर स्वच्छ और सुंदर बन सकेगा।

ठाणे सर्कल बना ऑर्गन डोनेशन का मॉडल

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे सर्कल में ऑर्गन डोनेशन मूवमेंट ने एक ऐतिहासिक मुकाम हासिल कर लिया है। लगातार कैडेवर डोनेशन और सफल ट्रांसप्लांट के चलते एक 3 साल के बच्चे और एक 60 वर्षीय मरीज को लिवर ट्रांस्प्लांट से नया जीवन मिला है। एडमिनिस्ट्रेशन, ट्रांसप्लांट सेंटर और कोऑर्डिनेशन सिस्टम के बेहतर तालमेल से ऑर्गन डोनेशन प्रक्रिया को तेज़ी मिली है, जिससे ठाणे सर्कल राज्य के लिए एक आदर्श मॉडल बनता जा रहा है। इसी कड़ी में NTORC और ट्रांसप्लांट सेंटर्स के बीच संयुक्त चर्चा सत्र में ब्रेन डेथ के बाद की प्रक्रिया, ऑर्गन उपलब्धता, अस्पतालों के बीच समन्वय और जनजागरूकता पर विस्तार से विचार हुआ। इस सत्र का मार्गदर्शन डॉ. अशोक नंदापुरकर ने किया।

सफल कैडेवर डोनेशन की श्रृंखला जारी

इस सकारात्मक पहल के तुरंत परिणाम सामने आए। 8 फरवरी को हीरानंदानी फोर्टिस हॉस्पिटल में 70 वर्षीय डोनर का सफल कैडेवर डोनेशन हुआ, जबकि 9 फरवरी को AIMS हॉस्पिटल में 36 वर्षीय डोनर के हार्ट, लिवर और कॉर्निया सफलतापूर्वक निकाले गए। समय पर प्रशासनिक सहयोग और अस्पतालों के बीच बेहतर समन्वय से ट्रांसप्लांट प्रक्रिया पूरी हुई। नए साल में अब तक ठाणे सर्कल में कुल चार कैडेवर ऑर्गन डोनेशन सफल हुए हैं, जिनमें होराइजन प्राइम हॉस्पिटल से 1, हीरानंदानी फोर्टिस से 2 और AIMS हॉस्पिटल से 1 डोनेशन शामिल है। विशेषज्ञों ने इसे केवल मेडिकल प्रक्रिया नहीं बल्कि एक सामाजिक आंदोलन बताते हुए नागरिकों से ब्रेन डेथ के बाद ऑर्गन डोनेशन के प्रति सकारात्मक निर्णय लेने की अपील की है।

सोने की चेन और मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

चार गिरफ्तार, भिवंडी क्राइम ब्रांच ने 18 अपराधों का खुलासा किया

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

भिवंडी क्राइम ब्रांच (यूनिट 2) ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस बनकर लोगों के गहने चुराने वाले और मोबाइल चोर समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में कुल 18 मामलों का खुलासा हुआ है, जिसकी विस्तृत जानकारी क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त अमरसिंह जाधव ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान साझा की। पुलिस ने भिवंडी से गिरफ्तार रवींद्र धनाजी भोसले (24), जिसने भिवंडी, कल्याण, ठाणे, उल्हासनगर, कर्जत और पुणे रेलवे सीमा में 13 सोने की चेन और 3 मोबाइल फोन चोरी के 16 अपराधों को कबूल किया है, पुणे से गिरफ्तार पुलिसकर्मी बनकर लोगों से गहने ठगने वाले मोहम्मद अज़ीज़ जाफ़री, कल्याण के व्यापारी और चोरी का माल खरीदने वाले दिनेश पाटिल (47), तथा चोरी के गहने खरीदने वाले कर्नाटक निवासी श्रीकांत गबाले को हिरासत में लिया है।

ज़ब्त संपत्ति का विवरण

तकनीकी विश्लेषण और गुप्त सूचना के आधार पर की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने भारी मात्रा में चोरी का सामान बरामद किया है, जिसमें कुल 15 तोला 51 ग्राम सोने के गहने और 21 मोबाइल फोन शामिल हैं, जिनकी कुल बाजार कीमत लगभग 11 लाख रुपए से अधिक आंकी गई है। भिवंडी क्राइम ब्रांच की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शीतल राउत के मार्गदर्शन में यह सफल ऑपरेशन चलाया गया, जिसमें पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और उनके नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर लगाम लगाई जा सके।

कसारा-मनमाड के बीच बनेगी देश की दूसरी सबसे लंबी रेल सुरंग

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

देश की आर्थिक राजधानी मुंबई को उत्तर और पूर्वी भारत से जोड़ने वाले रेल मार्गों को अधिक तीव्र और आधुनिक बनाने के लिए केंद्र सरकार ने कमर कस ली है। इसी कड़ी में पुराने रेल मार्गों के एलाइनमेंट में बदलाव करते हुए मल्टीट्रैक और रेल टनल (सुरंग) बनाने का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू किया गया है। केंद्र सरकार ने ठाणे के कसारा से नासिक के मनमाड़ के बीच 131 किलोमीटर लंबी तीसरी और चौथी रेल लाइन बिछाने के प्रस्ताव को कैबिनेट की हरी झंडी दे दी है।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना की सबसे बड़ी विशेषता इसके मार्ग में आने वाली 24 किलोमीटर लंबी जॉइंट रेल टनल होगी। यह सुरंग पूरी होने के बाद देश की दूसरी सबसे लंबी रेल सुरंग बन जाएगी। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में देश की सबसे लंबी 27 किलोमीटर की रेल सुरंग का निर्माण भी महाराष्ट्र के जालना सेक्शन में प्रगति पर है, जो इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भारत की बढ़ती शक्ति का प्रतीक है।

131 KM नई लाइन, 24 KM टनल को मोदी कैबिनेट की मंजूरी

10,154 करोड़ रुपए का भारी-भरकम निवेश

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, कसारा-मनमाड़ मल्टीट्रैक प्रोजेक्ट पर कुल 10,154 करोड़ रुपए की लागत आने का अनुमान है। इस 131 किलोमीटर लंबे खंड पर यातायात को सुगम बनाने के लिए कुल 5 रेल सुरंगें बनाई जा रही हैं, जिनकी सामूहिक लंबाई लगभग 28 किलोमीटर होगी। इन सुरंगों के माध्यम से ट्रेनें बिना किसी बाधा के घाट सेक्शन को पार कर सकेंगी। कसारा का इलाका अपने कठिन घाट सेक्शन के लिए जाना जाता है, जहाँ वर्तमान में ट्रेनों को चढ़ाई चढ़ने के लिए अतिरिक्त इंजन (बंकर) लगाने की आवश्यकता पड़ती है।

वार्ड नंबर 1 में मेयर शर्मिला पिंपलोलकर की मौजूदगी में सफाई अभियान

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की संकल्पना पर ठाणे मनपा द्वारा चलाए जा रहे 'बड़े सफाई अभियान' का आयोजन शुक्रवार (14 फरवरी 2026) को वार्ड क्रमांक 1 में किया गया। इस अभियान की शुरुआत माजीवडा-मानपाड़ा वार्ड समिति अंतर्गत आनंदनगर फायर स्टेशन परिसर में सफाई की शपथ के साथ हुई।

कार्यक्रम में महापौर शर्मिला पिंपलोलकर, अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे, नगरसेवक विक्रांत टंडेल, सहायक आयुक्त सोनल काले सहित कई अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। बड़ी संख्या में नागरिकों ने भी अभियान में भाग लेकर सहयोग किया।

सभी 33 वार्डों में लागू होगा व्यापक सफाई मॉडल

महापौर ने बताया कि नियमित सफाई के साथ-साथ अब आंतरिक सड़कों की गहरी सफाई और पानी से धुलाई जैसे विशेष अभियान स्थानीय नगरसेवकों के सहयोग से सभी 33 वार्डों में लागू किए जाएंगे। आनंदनगर फायर स्टेशन से शुरू हुए इस अभियान में आनंदनगर सिग्नल, कावेसर, कासरवडवली और ओवला क्षेत्रों की व्यापक सफाई की गई। इसके लिए एक जेटिंग वाहन, दो सीएनडी वाहन, दो आरसी कॉम्पैक्टर और चार बेल ट्रक लगाए गए, जबकि करीब 200 सफाई कर्मचारियों ने झाड़ू लगाकर कचरा एकत्र किया और एसटीपी के पानी से सड़कों की धुलाई की। महापौर ने नागरिकों से शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की।

भिवंडी महापौर चुनाव से पहले सियासी भूचाल

पूर्व महापौर की गिरफ्तारी के बाद बंद और बढ़ा तनाव

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी महानगरपालिका में 20 फरवरी को प्रस्तावित महापौर चुनाव से ठीक पहले शहर की राजनीति में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। पूर्व महापौर विलास पाटिल की गिरफ्तारी, उसके विरोध में हुए बंद और बदलते राजनीतिक समीकरणों ने सियासी तापमान बढ़ा दिया है।

ठाणे आर्थिक अपराध शाखा ने वर्ष 2025 में दर्ज कथित धोखाधड़ी के एक मामले में विलास पाटिल को देर रात गिरफ्तार किया। आरोप है कि घर दिलाने के नाम पर कई लोगों से ठगी की गई। शनिवार को उन्हें भिवंडी न्यायालय में पेश किया गया, जहां अदालत ने 18 फरवरी तक चार दिन की पुलिस कस्टडी सुनाई है।

अब 16 फरवरी को उस अर्जी पर सुनवाई होनी है, जिसमें पाटिल की ओर से महापौर चुनाव के लिए नामांकन पत्र भरने हेतु पुलिस कस्टडी में ही भिवंडी निजामपुर महानगरपालिका जाने की अनुमति मांगी गई है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि यह सुनवाई निर्णायक होगी। यदि अदालत अनुमति देती है तो वे औपचारिक रूप से चुनावी प्रक्रिया में शामिल हो सकेंगे।

विलास पाटिल के अधिवक्ता एडवोकेट नारायण अय्यर ने गिरफ्तारी को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। उनके अनुसार वर्ष 2021 में निजामपुरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसे आर्थिक अपराध शाखा को सौंपा गया था। जांच रिपोर्ट में इसे सिविल विवाद माना गया था। फरियादी ने भिवंडी न्यायालय में छह सिविल सूट दायर किए थे, जिन्हें अदालत ने 2021 में खारिज कर दिया था। बचाव पक्ष का कहना है कि 2025 में उसी प्रकरण में दोबारा आवेदन कर पूर्व महापौर का नाम जोड़ना चुनाव से पहले दबाव बनाने की कार्रवाई है।

आगे की अहम तारीखें

आगे की अहम तारीखों में 16 फरवरी को अदालत में सुनवाई होगी, जिसमें यह तय किया जाएगा कि पूर्व महापौर को नामांकन भरने की अनुमति मिलेगी या नहीं; 18 फरवरी को उनकी पुलिस कस्टडी की अवधि समाप्त होगी, जबकि 20 फरवरी को भिवंडी मनपा में महापौर चुनाव होना है। 16 फरवरी की सुनवाई को पूरे घटनाक्रम का निर्णायक मोड़ माना जा रहा है, क्योंकि अदालत के फैसले से ही यह स्पष्ट होगा कि चुनावी मुकाबला और रोचक बनेगा या राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल जाएंगे।

गिरफ्तारी के विरोध में बंद

पूर्व महापौर की गिरफ्तारी के विरोध में शिवसेना (शिंदे गुट) के नगरसेवकों ने शहर में बंद का आह्वान किया। नगरसेवक बालाराम चौधरी के अनुसार, उनके गुट के 12 नगरसेवकों ने अपने-अपने प्रभागों में व्यापारियों से संपर्क कर शांतिपूर्ण ढंग से दुकानें बंद कराईं। कल्याण रोड से साई बाबा मंदिर क्षेत्र तक कई मार्गों पर दुकानें बंद रहीं। प्रशासन ने स्थिति नियंत्रण में होने की बात कही है। नगरसेवकों का कहना है कि उनके नेता और राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का स्पष्ट संदेश है कि किसी भी जनप्रतिनिधि के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

राजनीतिक समीकरण और 'किंगमेकर' भूमिका

राजनीतिक सूत्रों के अनुसार, महायुति में यह फॉर्मूला तय हुआ है कि जिस पक्ष के नगरसेवकों की संख्या अधिक होगी, उसी का महापौर चुना जाएगा। विलास पाटिल की कोणार्क विकास आघाड़ी के चार नगरसेवक हैं, जिससे वे सत्ता गठन में 'किंगमेकर' की भूमिका में माने जा रहे थे। चर्चा थी कि उनका समर्थन शिवसेना को मिल सकता है। कुछ दिन पहले उनका भाजपा विधायक महेश चौगुले के साथ सार्वजनिक विवाद भी राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बना था।

भारत के हितों से कोई समझौता नहीं होगा: पीयूष गोयल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ा रहा है और राष्ट्रीय हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में उन्होंने बताया कि भारत ने विश्व के 38 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की प्रक्रिया शुरू की है, जिससे वैश्विक व्यापार का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा भारत के लिए खुल गया है और इससे देश के समग्र हित सुरक्षित रहेंगे।

गोयल ने स्पष्ट किया कि इन समझौतों में भारतीय किसानों, दुग्ध उत्पादन क्षेत्र और जीएम खाद्य पदार्थों को बाहर रखा गया है, ताकि कृषक हितों की रक्षा सुनिश्चित हो सके। अन्य क्षेत्रों के उत्पादों को वैश्विक बाजारों में प्रवेश का बड़ा अवसर मिलेगा, जिससे निर्यात, रोजगार और निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि भारत को इन समझौतों से अन्य देशों की तुलना में अधिक लाभ होगा।

महाराष्ट्र को केंद्रीय बजट से बड़ा लाभ

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि केंद्रीय बजट से महाराष्ट्र को विशेष लाभ मिलेगा। रेलवे परियोजनाओं के लिए राज्य को 24 हजार करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं, जबकि पुणे और नागपुर को अगले पांच वर्षों में ग्रोथ हब के रूप में विकसित करने के लिए प्रत्येक शहर को 5 हजार करोड़ रुपए मिलेंगे। इसके अलावा मुंबई-पुणे और पुणे-हैदराबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल, वाढवण बंदरगाह विकास और तीसरे हवाई अड्डे जैसी परियोजनाओं से राज्य को व्यापक लाभ होगा।

कांग्रेस पर हमला

गोयल ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी के पास जनता को गुमराह करने के अलावा कोई ठोस योजना नहीं है। उन्होंने दावा किया कि जनता पहले ही कांग्रेस के नेतृत्व को नकार चुकी है और ऐसे प्रयास आगे भी सफल नहीं होंगे।

शिवाजी महाराज-टीपू सुल्तान की तुलना पर सियासी बवाल

हर्षवर्धन सपकाल के बयान पर भड़के सीएम फडणवीस

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के एक बयान को लेकर बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। दरअसल हर्षवर्धन सपकाल ने छत्रपति शिवाजी महाराज और मैसूर के 18वीं सदी के शासक टीपू सुल्तान की तुलना जैसी बात कही, जिसके बाद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कड़ी नाराजगी जताई और बयान को शर्मनाक बताया।

सपकाल ने क्या कहा था?

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बुलढाणा में पत्रकारों से बात कर रहे थे। यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब मालेगांव नगर निगम के उपमहापौर के दफ्तर में टीपू सुल्तान की तस्वीर को लेकर विरोध चल रहा था। इस पर सपकाल ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने स्वराज्य का विचार दिया और टीपू सुल्तान ने भी अंग्रेजों के खिलाफ उसी तरह लड़ाई लड़ी। उन्होंने कहा कि इस मायने में टीपू सुल्तान को बहादुर योद्धा और भारत का 'भूमिपुत्र' माना जा सकता है। सपकाल ने 'समकक्ष' शब्द का इस्तेमाल करते हुए कहा कि टीपू सुल्तान को वीरता के प्रतीक के रूप में देखा जाना चाहिए। हालांकि बाद में उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि शिवाजी महाराज की वीरता बेजोड़ है, और टीपू सुल्तान ने उन्हें आदर्श मानकर अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी।

कांग्रेस की सफाई और पलटवार

कांग्रेस नेता अतुल लोंढे ने भाजपा पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि भाजपा जानबूझकर 'समकक्ष' शब्द को मुद्दा बनाकर साम्प्रदायिक तनाव पैदा करना चाहती है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की आत्महत्या और बिजली दर जैसे मुद्दों से ध्यान हटाना चाहती है।

सीएम फडणवीस की कड़ी प्रतिक्रिया

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस बयान की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र इस तरह की तुलना कभी स्वीकार नहीं करेगा। इसके लिए उन्होंने सपकाल को माफी मांगने की मांग की। कांग्रेस से भी इस मामले पर अपना रुख साफ करने को कहा।

भाजपा की महानगरपालिका को चेतावनी

मालेगांव महानगरपालिका के मेयर कार्यालय में टीपू सुल्तान की तस्वीर लगाए जाने को लेकर विवाद गहरा गया है। भारतीय जनता पार्टी की आध्यात्मिक समन्वय आघाडी के प्रमुख आचार्य तुषार भोसले ने नगर पालिका प्रशासन को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर 24 घंटे के भीतर टीपू सुल्तान की तस्वीर नहीं हटाई गई, तो हिंदू समाज के साथ मिलकर वे खुद इसे हटाने के लिए आंदोलन शुरू करेंगे। आचार्य भोसले ने बताया कि महानगरपालिका एक सार्वजनिक प्रशासनिक संस्था है। यहां ऐसे व्यक्तियों के चित्र लगने चाहिए जो पूरे समाज के लिए प्रेरणा स्रोत हों। उन्होंने टीपू सुल्तान के इतिहास को विवादास्पद बताते हुए कहा कि उनके नाम और चित्र से समाज के एक बड़े वर्ग में गहरा असंतोष है। यह तस्वीर सामाजिक सौहार्द को प्रभावित कर सकती है और कानून-व्यवस्था के लिए खतरा पैदा कर सकती है।

कैंसर का इलाज सुलभ बनाने का आह्वान

नवाचार सीमाओं से परे हर देश तक पहुंचे: सीएम फडणवीस

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि कैंसर भारत की स्वास्थ्य प्रणाली की सबसे बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि इसके इलाज से जुड़े नवाचार हर देश तक पहुंचना चाहिए, क्योंकि मानवता की कोई सीमा नहीं होती। उन्होंने यह बात नागपुर के राष्ट्रीय कैंसर संस्थान में सीमाओं से परे ऑन्कोलॉजी विषय पर आयोजित वैश्विक सम्मेलन के उद्घाटन के वक्त कही।

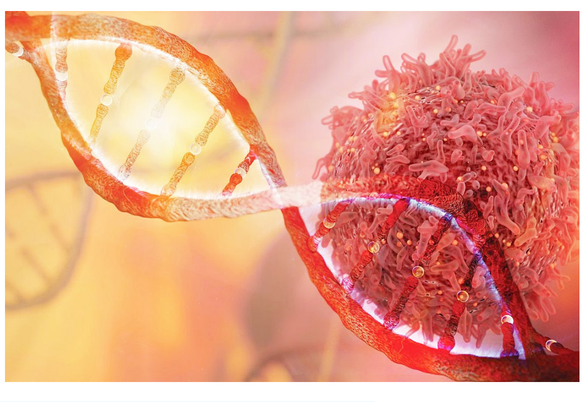

कैंसर के मामले 75 फीसदी तक बढ़ने की आशंका

इस दौरान उन्होंने संदिग्ध मामलों की पहचान और शुरुआती इलाज के लिए प्रभावी प्रणाली विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में कैंसर के मामले अकल्पनीय रफ्तार से बढ़े हैं और यह परेशानी अब वैश्विक बन चुकी है। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने चेताया कि अगले 20 वर्षों में दुनिया भर में कैंसर के मामले 75 फीसदी तक बढ़ सकते हैं।

अब केवल इलाज नहीं, बल्कि रोकथाम के लिए SOP जरूरी

महाराष्ट्र में ही बीते पांच वर्षों में कैंसर के मामलों में 11 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि अब केवल इलाज नहीं, बल्कि रोकथाम, व्यापक जांच और संदिग्ध मामलों की पहचान के लिए मानक प्रक्रिया (एसओपी) विकसित करने की जरूरत है। फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार की महाकेयर फाउंडेशन पहल के तहत पूरे महाराष्ट्र में कैंसर उपचार, शोध और शिक्षा का विस्तार किया जा रहा है।

'राष्ट्रीय कैंसर संस्थान के काम सराहनीय'

उन्होंने आगे कहा कि इलाज को सस्ता बनाने के लिए नई उपचार पद्धतियां जरूरी हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आयातित कैंसर दवाओं और उपकरणों पर कर घटा रही है। उन्होंने कहा कि मेडटेक, बायोटेक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सटीक, सुलभ और किफायती बना रही हैं। उन्होंने राष्ट्रीय कैंसर संस्थान के कामों की भी सराहना की।

अंधेरी में दो दिवसीय पुष्प महोत्सव का आयोजन

मुंबई। बीएमसी ने अंधेरी के वीएम रोड स्थित मनपा के पुष्प नरसी उद्यान में दो दिवसीय पुष्प महोत्सव का आयोजन किया है, जिसका उद्घाटन फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार ने शनिवार को किया। रंग-बिरंगे फूलों से सजे इस महोत्सव में भारत का नक्शा, शिवलिंग, नदी, शहनाई, मोर, तितली, हाथी, घोड़ा और संगीत वाद्ययंत्रों की आकृतियां फूलों से बनाई गई हैं। उद्घाटन समारोह में बीएमसी आयुक्त भूषण गगरानी, मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम और विधायक हारुन खान सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। प्रदर्शनी में पेटुनिया, ब्रोकली, साल्विया के पौधे, गेंदा, गुलाब, मोगरा जैसे सुगंधित फूल, औषधीय पौधे, बेलें, सब्जियां, खाद, गमले और गार्डनिंग के औजार भी रखे गए हैं। अक्षय कुमार ने कहा कि मुंबई बहुत व्यस्त शहर है और ऐसे फ्लावर फेस्टिवल साल में कम से कम दो बार होने चाहिए, ताकि लोग कुछ पल ठहरकर प्रकृति के बीच समय बिता सकें। उन्होंने कहा कि "ये फूल हमें शांति का संदेश देते हैं—किसी से मुकाबला न करें, बस खुद खिलें, क्योंकि जब सब खिलते हैं तभी एक बगीचा बनता है।" बीएमसी आयुक्त गगरानी ने इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम बताया, जबकि विधायक अमित साटम ने मुंबई को स्वच्छ और सुंदर रखने पर जोर देते हुए सफाई प्रतियोगिता आयोजित करने का सुझाव दिया और स्वच्छता रैंकिंग में शहर को पहले स्थान पर लाने का लक्ष्य दोहराया।

मुकेश चौक-प्रियदर्शिनी पार्क मार्ग का कांक्रिटीकरण मंगलवार से शुरु

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई महानगरपालिका ने मुकेश चौक से प्रियदर्शिनी पार्क तक की सड़क के कांक्रिटीकरण का कार्य शुरू करने का निर्णय लिया है। यह काम मंगलवार, 17 फरवरी से आरंभ होगा। पहले चरण में करीब 770 मीटर लंबी और 27.45 मीटर चौड़ी सड़क बनाई जाएगी। यात्रियों को होने वाली असुविधा को कम करने के लिए यातायात व्यवस्था में आवश्यक बदलाव किए गए हैं।

यातायात में बदलाव, मानसून से पहले लक्ष्य

मनपा के अनुसार इस कार्य के लिए ट्रैफिक पुलिस से 'नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट' प्राप्त कर लिया गया है। निर्माण के दौरान कुछ मार्गों को अस्थायी रूप से बंद किया गया है, जबकि कुछ सड़कों पर वाहनों की आवाजाही में परिवर्तन किया गया है। इस परियोजना को मानसून से पहले पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। मुंबई की सड़कों को गड्ढा मुक्त बनाने के लिए शहर और उपनगरों में फेज-1 और फेज-2 के तहत कांक्रिटीकरण का कार्य जारी है!

एमएमआर में मेट्रो निर्माण बना जानलेवा

मुलुंड हादसे और सुरक्षा मानकों की अनदेखी से जनता में खौफ

मुंबई। मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में मेट्रो जाल बिछाने की कवायद के बीच निर्माण स्थलों पर होने वाली दुर्घटनाओं ने आम जनता की रातों की नींद उड़ा दी है। हाल ही में मुलुंड में एक निर्माणाधीन मेट्रो पिलर का कंक्रीट स्लैब (पैरापेट) नीचे से गुजर रहे एक रिक्शा पर गिर गया, जिससे सुरक्षा व्यवस्था की पोल खुल गई है। इस भयावह घटना के बाद से उन तमाम इलाकों के नागरिक डरे हुए हैं, जहाँ सिर के ऊपर भारी-भरकम मशीनों और कंक्रीट का काम चल रहा है। इस गंभीर चूक का संज्ञान लेते हुए मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने सख्त रुख अख्तियार किया है। प्राथमिक जांच में सुरक्षा नियमों के उल्लंघन और घोर लापरवाही पाए जाने पर प्राधिकरण ने संबंधित ठेकेदार और प्रोजेक्ट कंसल्टेंट पर 6 करोड़ रुपये का भारी जुर्माना ठोक दिया है। हालांकि, स्थानीय लोगों का मानना है कि केवल जुर्माने से बात नहीं बनेगी, बल्कि निर्माण स्थलों पर जवाबदेही तय करना अनिवार्य है।

यातायात के साथ जान का भी जोखिम

मुंबई, ठाणे, भिवंडी और घोड़बंदर जैसे व्यस्त इलाकों में मेट्रो कार्य के चलते सड़कों की चौड़ाई कम हो गई है, जिससे ट्रैफिक जाम एक स्थायी समस्या बन चुकी है। अब मुलुंड जैसी घटनाओं ने इस समस्या में 'जान के खतरे' का नया आयाम जोड़ दिया है। वाहनचालकों का कहना है कि वे अब सड़क पर चलते समय केवल सामने के ट्रैफिक पर नहीं, बल्कि ऊपर लटकते खतरों पर भी नजर रखने को मजबूर हैं।

मेट्रो लाइन-4 पर हादसों का इतिहास

वडाला से कासरवडावली के बीच बन रही मेट्रो लाइन-4 सुरक्षा के लिहाज से सबसे अधिक संवेदनशील साबित हो रही है। इस रूट पर पहले भी कई छोटी-बड़ी दुर्घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं। घोड़बंदर और भिवंडी के बीच सफर करने वाले यात्री बताते हैं कि पिलरों के पास से गुजरते समय हमेशा एक अनजाना डर बना रहता है कि कहीं कोई निर्माण सामग्री उनके वाहन पर न गिर जाए।

भीड़भाड़ के समय भी जारी रहता है काम

सुरक्षा मानकों की सबसे बड़ी अनदेखी 'रश आवर्स' (भीड़भाड़ वाले समय) के दौरान देखने को मिलती है। नियमों के मुताबिक भारी निर्माण कार्य कम ट्रैफिक वाले समय में होना चाहिए, लेकिन कई स्थानों पर भारी मशीनें और क्रेन दिन के उजाले में व्यस्त सड़कों के ऊपर संचालित की जा रही हैं।

इंडिया यूनाइटेड मिल में बनेगा वर्ल्ड-क्लास कल्चरल म्यूजियम

मुंबई। दक्षिण मुंबई के भायखला स्थित इंडिया यूनाइटेड मिल में प्रस्तावित अत्याधुनिक टेक्सटाइल, क्राफ्ट और कल्चरल म्यूजियम परियोजना ने रफ्तार पकड़ ली है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की संकल्पना से आकार ले रही इस परियोजना के करार पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। इस प्रोजेक्ट का उद्देश्य मुंबई की कपड़ा मिलों की ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित करना और कला-संस्कृति को बढ़ावा देना है। इसे मुंबई महानगरपालिका, नेशनल टेक्सटाइल कॉरपोरेशन और जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन के सहयोग से लागू किया जा रहा है। करीब चार हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले मिल यार्ड को वर्ल्ड-क्लास कल्चरल सेंटर में बदला जाएगा, जिसमें गैलरी, आर्ट स्टूडियो, परफॉर्मेंस स्पेस, गार्डन, कैफे, वर्कशॉप और इवेंट स्पेस जैसी आधुनिक सुविधाएं होंगी।

लिविंग म्यूजियम के रूप में होगा विकास

इस म्यूजियम को 'लिविंग म्यूजियम' के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां पुरानी मिल की औद्योगिक विरासत को आधुनिक सांस्कृतिक माहौल से जोड़ा जाएगा। परियोजना का संपूर्ण कार्य जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन नॉन-प्रॉफिट आधार पर करेगा और म्यूजियम से होने वाली आय का उपयोग रखरखाव व जनहित कार्यों में किया जाएगा। यह पहल मुख्यमंत्री फडणवीस के 'अर्बन हेरिटेज कंजर्वेशन एंड कल्चरल रिवाइवल' विज़न को मजबूती देती है, जिससे मुंबई की संस्कृति, परंपरा और कपड़ा मिलों की विरासत नई पीढ़ी तक पहुंचेगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि परियोजना को तय समयसीमा में पूरा करने के लिए सभी संबंधित विभाग समन्वय के साथ कार्य करें।

जमीन विवाद मामले में नार्वेकर का सफाईनामा

झगड़ा शांत कराने की हुई थी कोशिश: नार्वेकर

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने अपने वायरल वीडियो की सफाई दी है। उन्होंने कहा कि उनका किसी विवाद से कोई संबंध नहीं है और उन्होंने केवल सड़क किनारे झगड़ रहे दो स्थानीय लोगों को आपसी समझ से मामला सुलझाने की सलाह दी थी। दरअसल, शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया था कि अलीबाग के तटीय क्षेत्र में जमीन हड़पने की कोशिश हो रही है। उन्होंने दावा किया कि माहट्रोली गांव में एक परिवार के यहां शादी के दौरान कुछ लोग परिसर में घुसकर जमीन की माप करने लगे, जिस पर विवाद हुआ। वायरल वीडियो में एक महिला नार्वेकर के साथ मौजूद व्यक्ति पर हाथ उठाती दिखाई देती है और जमीन का जिक्र करती है। बाद में नार्वेकर एक महिला और एक पुरुष से बातचीत करते हुए नजर आते हैं, वहां से जाते हैं और फिर लौटकर दोनों पक्षों को झगड़ा न करने की सलाह देते हैं।

नार्वेकर ने क्या दी सफाई?

विवाद पर स्पष्टीकरण देते हुए भाजपा विधायक नार्वेकर ने कहा कि वह कुछ दिन पहले अपने फार्महाउस जा रहे थे, तभी रास्ते में दो किसानों के बीच बहस होती देख रुके और उन्हें शांतिपूर्वक मामला सुलझाने की सलाह देकर आगे बढ़ गए। उन्होंने कहा कि इस विवाद से उनका किसी भी तरह का कोई लेना-देना नहीं है। वीडियो में दिख रहे किसानों में से एक, रमेश पाटिल ने भी मीडिया से बातचीत में नार्वेकर का बचाव करते हुए कहा कि वह केवल वहां से गुजर रहे थे और झगड़ा शांत कराने की कोशिश कर रहे थे।

गौरतलब है कि दक्षिण मुंबई से फेरी द्वारा लगभग एक घंटे की दूरी पर स्थित अलीबाग अपने सुंदर समुद्रतट और फार्महाउस संस्कृति के कारण बीते दो दशकों में रियल एस्टेट हब के रूप में तेजी से उभरा है। कई उद्योगपतियों और बॉलीवुड हस्तियों के यहां फार्महाउस हैं। इसी बीच, मुंबई महानगरपालिका चुनाव के लिए पिछले महीने दाखिल हलफनामे में नार्वेकर के छोटे भाई मकरंद नार्वेकर द्वारा 2022 से 2025 के बीच अलीबाग क्षेत्र में 27 जमीन के टुकड़े खरीदे जाने का भी उल्लेख सामने आया।

पश्चिम रेलवे

वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध

मंडल रेल प्रबंधक (रोलिंग स्टॉक),ईएमयू कारशेड विरार, मुंबई सेंट्रल मंडल, वेस्टर्न रेलवे -401303 **ई-निविदा संख्या: DRM-RS-2025-26-02-V दिनांक: 10.02.2026 आमंत्रित करते हैं। कार्य का नाम:** ईएमयू कारशेड विरार में CIC मेक DGA मशीन मॉडल GC 2010 का 03 वर्षों की अवधि हेतु वार्षिक अनुरक्षण अनुबंध (AMC) **अनुमानित लागत:** 7,91,204.75/- (सर्व समावेशी) बयाना राशि (EMD): 15,800/- **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 09.03.2026, 15:00 बजे तक **निविदा खोलने की तिथि एवं समय:** 09.03.2026, 15:30 बजे विस्तृत जानकारी हेतु कृपया वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

1114

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मध्य रेल

सोलापुर मंडल

इंजिनिअरिंग कार्य

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), मध्य रेल, सोलापुर द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए प्रतिष्ठित फर्मों/ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सं. – 07-2026-SrDENCo. **कार्य का नाम:** 1. एडीईएन/ डब्ल्यू/एसयूआर उप-मंडल के अंतर्गत एसयूआर (टाइप-III 08 यूनिट्स एवं टाइप-IV 06 यूनिट्स) में पुराने क्वार्टरों के स्थान पर क्वार्टरों का निर्माण। २. एडीईएन/केएलबीजी एवं एडीईएन/ डब्ल्यू/ एसयू आर उप-मंडल के अंतर्गत डब्ल्यूडी (टाइप-III 04 यूनिट्स), एसडीबी (आरबी-II 4 यूनिट्स एवं टाइप-III 02 यूनिट्स), एमआर (टाइप-II 04 यूनिट्स) एवं एनजीएस (टाइप-II 04 यूनिट्स) में पुराने क्वार्टरों के स्थान पर क्वार्टरों का निर्माण। 3. एडीईएन/डब्ल्यू/ एसयूआर के अंतर्गत एसयूआर (टाइप-III 08 यूनिट्स), डब्ल्यूडीएस (टाइप-II 04 यूनिट्स), एमए (टाइप-II 04 यूनिट्स) एवं एमवीई (टाइप-II 04 यूनिट्स) के नए क्वार्टरों का निर्माण। 4. एडीईएन/डब्ल्यू/एसयूआर के अंतर्गत एचजी (टाइप-II 8 यूनिट्स एवं टाइप-III 2 यूनिट्स), डीयूडी (टाइप-II 4 यूनिट्स) एवं एकेओआर (टाइप-II 4 यूनिट्स) में नए क्वार्टरों का निर्माण। 5. जेऊर स्टेशन पर प्लेटफॉर्म-1 का विस्तार, प्लेटफॉर्म सतह का सुधार एवं भीड़ प्रबंधन के लिए पानी के स्टैंडों का संवर्धन। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹21,79,46,514.21, **बयाना जमा राशि:** ₹12,39,700/-, **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 महीने, **रखरखाव अवधि:** 24 महीने, **निविदा सं.** – 08-2026-SrDENCo. **कार्य का नाम:** 1. त्योहारों के दौरान सोलापुर स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन हेतु उचित बाड़ (फेंसिंग) के साथ कवर शेड, पेयजल सहित अन्य सुविधाओं की व्यवस्था। 2. केएलबीजी स्टेशन पर यात्रियों की भीड़ प्रबंधन हेतु गाड़ी में पानी भरने की सुविधा एवं सभी यात्री सुविधाओं सहित होल्डिंग क्षेत्र की व्यवस्था। 3. केडब्ल्यूवी स्टेशन पर प्लेटफॉर्म सतह (प्लेटफॉर्म 1 एवं 2 तथा प्लेटफॉर्म 3 एवं 4) का सुधार, प्लेटफॉर्म 1 एवं 2 पर सीओपी के प्रावधान पर रिटायरिंग रूम की व्यवस्था, प्लेटफॉर्म 1 पर आरपीएफ पोस्ट तथा प्लेटफॉर्म 1 एवं 2 पर शौचालय ब्लॉक का निर्माण। 4. यूएमडी स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन हेतु प्लेटफॉर्म-2 (एमएल से एचएल) को ऊंचा करना, प्लेटफॉर्म-1 पर शौचालय ब्लॉक का निर्माण एवं बुकिंग कार्यालय का संवर्धन। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹27,24,46,815.62, **बयाना जमा राशि:** ₹15,12,200/-, **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 महीने, **रखरखाव अवधि:** 24 महीने, **www.ireps.gov.in वेबसाइट पर कोटेड निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 07-2026-SrDENCo, 08-2026-SrDENCo – 11.03.2026 को 15:00 बजे तक। **www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि एवं समय:** 07-2026-SrDENCo, 08-2026-SrDENCo– 11.03.2026 को 15:30 बजे। भावी निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे निविदा बंद होने की तिथि से पहले किसी भी परिवर्तन/संशोधन संबंधी जानकारी हेतु नियमित रूप से वेबसाइट पर विजिट करते रहें। **वेबसाइट: www.ireps.gov.in**

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें 04

मध्य रेल

सोलापुर मंडल

इंजिनिअरिंग कार्य

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), मध्य रेल, सोलापुर द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए प्रतिष्ठित फर्मों/ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सूचना सं. – 04-2026-SrDENCo. **कार्य का नाम:** सोलापुर मंडल में ट्रैक मशीन साइडिंग का इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹21,43,42,085.19, **बयाना जमा राशि:** ₹12,21,700/-, **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 महीने, **रखरखाव अवधि:** 12 महीने, **निविदा सूचना सं.** – 05-2026-SrDENCo. **कार्य का नाम:** सोलापुर मंडल के डीयूडी-डब्ल्यूडी सेक्शन में पुल संख्या 561/2 डीएन (स्पैन 3x5.6 मीटर), 577/1 डीएन (स्पैन 2x6.10 मीटर), 581/1 डीएन (स्पैन 2x6.10 मीटर) एवं 587/2 यूपीएंडडीएन (स्पैन 5x8.10 मीटर) पर बैरल की लंबाई बढ़ाने और रिटेनिंग वॉल, विंग वॉल एवं बैलास्ट रिटेनर के निर्माण द्वारा आर्च ब्रिज का सुधार। सोलापुर मंडल में 04 ओआरएन-3 ब्रिजेस (536/1ए, 589/2, 589/3 डीएन एसयूआर-डब्ल्यूडी सेक्शन एवं 427/3 केडब्ल्यूएम-एमआरजे सेक्शन) का पुनर्निर्माण। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹20,07,47,848.46, **बयाना जमा राशि:** ₹11,53,700/-, **कार्य पूरा करने की अवधि:** 18 महीने, **रखरखाव अवधि:** 48 महीने, **www.ireps.gov.in वेबसाइट पर कोटेड निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 04-2026-SrDENCo, 05-2026-SrDENCo – 05.03.2026 को 15:00 बजे तक। **www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि एवं समय:** 04-2026-SrDENCo, 05-2026-SrDENCo – 05.03.2026 को 15:30 बजे। संभावित निविदाकारों को सलाह दी जाती है कि वे निविदा बंद होने की तिथि से पहले किसी भी परिवर्तन/संशोधन संबंधी जानकारी हेतु नियमित रूप से वेबसाइट पर विजिट करते रहें। **वेबसाइट: www.ireps.gov.in**

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें 02

मध्य रेल

सोलापुर मंडल

इंजिनिअरिंग कार्य

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), मध्य रेल, सोलापुर द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए प्रतिष्ठित फर्मों/ठेकेदारों से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सं. – 03-2026-SrDENCo. **कार्य का नाम:** सोलापुर मंडल में फॉर्मेशन चौड़ाई का मानकीकरण – 213.2 टीकिमी, डीडी-केडब्ल्यूवी सेक्शन में टीबीआर कार्य – 32.6 किमी, कुर्डुवाडी-लातूर सेक्शन में टीबीआर कार्य – 23.00 टीकिमी तथा Sr.DEN(C) के क्षेत्राधिकार में 37 स्थानों पर टी/आउट डीप स्क्रीनिंग। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹34,58,01,196.44, **बयाना जमा राशि:** ₹18,79,000/-, **कार्य पूरा करने की अवधि:** 12 महीने, **रखरखाव अवधि:** शून्य, **निविदा सं.** – 06-2026-SrDENCo. **कार्य का नाम:** सेवा भवन, कार्यालय भवन एवं स्टाफ क्वार्टरों के लिए कुर्डुवाडी (बीजी) उप-मंडल, दौंड (छोड़कर) से कुर्डुवाडी (सहित), जिसमें कुर्डुवाडी कार्यशाला ढवलस, भालवानी, पोपलाज, वाशिंबे, पारेवाड़ी, जिन्टी, माल्थान, बोरीबेल, भिगवण, केत्तूर, जेऊर, केम आदि शामिल हैं, के लिए जोन 'बी' हेतु वार्षिक अनुभागीय अनुबंध (एनुअल सेक्शनल कॉन्ट्रैक्ट)। (वर्ष: 2026-27, 2027-28, 2028-29, 2029-30)। **कार्य का नाम:** सेवा भवन, कार्यालय भवन एवं स्टाफ क्वार्टरों के लिए जोन 'सी' ADEN(W)SUR उप-मंडल, कुर्डुवाडी (छोड़कर) से दुधनी (सहित), जिसमें वडशिंगे, माढा, अनगर, वाकाव, मलिकपेठ, मोहोल, बाले, अक्कलोट रोड, पाकनी, टिलाटी, होटगी आदि शामिल हैं, के लिए वार्षिक अनुभागीय अनुबंध। (वर्ष: 2026-27, 2027-28, 2028-29, 2029-30)। **कार्य का नाम:** सेवा भवन, कार्यालय भवन एवं स्टाफ क्वार्टरों के लिए जोन 'डी' ADEN/KLBG उप-मंडल, दुधनी (छोड़कर) से वाड़ी (सहित), जिसमें शहाबाद, मरतुर, हिरेनंदुरु, कलबुरगी, बबलाद, कुलाली, ताजसुल्तानपुर आदि शामिल हैं, के लिए वार्षिक अनुभागीय अनुबंध। (वर्ष 2026-27, 2027-28 2028-29, 2029-30)। **कार्य का नाम:** सेवा भवन, कार्यालय भवन एवं स्टाफ क्वार्टरों के लिए जोन 'ई' ADEN/LUR उप-मंडल, कुर्डुवाडी (छोड़कर) से लातूर रोड (छोड़कर), जिसमें शेंदरी, कलमरोड, हरंगुल, ढोकी, येडशी, धाराशिव, बारसी टाउन, पांगरी, लातूर आदि शामिल हैं, के लिए वार्षिक अनुभागीय अनुबंध। (वर्ष: 2026-27, 2027-28, 2028-29, 2029-30)। **कार्य का नाम:** सेवा भवन, कार्यालय भवन एवं स्टाफ क्वार्टरों के लिए जोन 'एफ' ADEN/PVR उप-मंडल, कुर्डुवाडी (छोड़कर) से मिरज (छोड़कर), जिसमें पंढरपुर, मोडलिंब, सांगोला, जत रोड, ढालगांव, सलगरे, कौठे महाकाल, अरग आदि शामिल हैं, के लिए वार्षिक अनुभागीय अनुबंध। (वर्ष: 2026-27, 2027-28, 2028-29, 2029-30) एवं एसयूआर गुड्स शेड के रखरखाव, मरम्मत एवं सफाई के लिए वार्षिक अनुभागीय अनुबंध। **कार्य की अनुमानित लागत:** ₹41,30,93,445.20, **बयाना जमा राशि:** ₹22,15,500/-, **कार्य पूरा करने की अवधि:** 48 महीने, **रखरखाव अवधि:** 06 महीने।

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें 03

मध्य रेल

रुची की अभिव्यक्ति

विषय-नजदीकी सीजीएचएस/ईसीएचएस/ईएसआई/सार्वजनिक से आमंत्रण रेलवे लाभार्थियों को आपातकालीन उपचार प्रदान करने के लिए सेक्टर सूचीबध्द और गैर-सूचीबध्द मल्टी स्पेशालिटी/सुपर स्पेशालिटी अस्पताल।

स.	विवरण	टिप्पणी
1	कार्य का नाम	रेलवे लाभार्थियों को आपातकालीन उपचार प्रदान करने के लिए सीजीएचएस/ईसीएचएस/ईएसआई/सार्वजनिक क्षेत्र के सूचीबध्द और गैर-सूचीबध्द मल्टी स्पेशालिटी/सुपर स्पेशालिटी अस्पताल
2	आवेदन और करार/समझौता ज्ञापक प्रस्तुत करने हेतु कार्यालय का पता	मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, सेंट्रल रेलवे अस्पताल के ऑफिस पोस्ट – कल्याण (प) – 421301
3	समझौता ज्ञापन/करार पर हस्ताक्षर किए और मुहर लगा के साथ आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि	आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि **12.03.2026 दोपहर 2 बजे तक है।**
4	पैनलबद्धता अवधि	दोनों पक्षों के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की तारीख से 2 वर्ष की अवधि के भीतर।
5	सूचना अपलोड की गई है वो वेबसाइट	cr.indianrailways.gov.in (Tender Ref.No.:-KYN/H/EMPANELMENT/2026)
6	दर	I) प्रचलित गैर-एनएबीएच सीजीएचएस दरें , यदि एनएबीएच मान्यता प्राप्त है तो एनएबीएच दरें लागू होंगी।ii) यदि प्रक्रिया सीजीएचएस दर सूची में उपलब्ध नहीं है, तो एम्स नई दिल्ली की दरें लागू होंगी। iii) यदि एम्स नई दिल्ली की दर सूची में दरें उपलब्ध नहीं है तो अस्पताल की दरें 20% छूट के साथ।iv) दवाओं और उपभोग्य सामग्रियों पर 20% की छूट।
7	रोगी वाहन	निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा प्रदान की जाएगी।
8	निष्पादन बैंक गारंटी (पीबीजी)	1. मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल के लिए 10.0 लाख 2. एकल विशेष अस्पताल के लिए 2.0 लाख रुपये
9	मान्यता	1. यदि एनएबीएच द्वारा मान्यता प्राप्त है तो प्रमाण पत्र संलग्न करें। 2.यदि सीजीएचएस/ईसीएचएस/ईएसआई/सार्वजनिक क्षेत्र द्वारा सूचीबद्ध है तो उचित प्रमाण पत्र संलग्न करें।
10	इच्छा	हम रेलवे लाभार्थियों को 2 वर्षों तक उपरोक्त शर्तों पर सेवाएं प्रदान करने के इच्छुक हैं।
11	दस्तावेज	कृपया संलग्न चेकलिस्ट के अनुसार सभी प्रासंगिक दस्तावेज उपलब्ध कराएं।
12	कवरेज क्षेत्र	कर्जत, उरण, रोहा, पनवेल, लोनावला, भिवंडी, वसई और मुंबई।

रेलवे प्रशासन बिना किसी कारण बताए किसी भी या प्रस्तावों को स्वीकार करने, अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

सुरक्षित यात्रा करें, फुटबोर्ड पर यात्रा न करें 906

संपादकीय

जवाबदेही से सुदृढ़ हो सकता है प्रशासन

हाल ही में उत्तर प्रदेश में गलत रिपोर्ट देने वाले अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज करने के निर्देश ने प्रशासनिक सुधार की बहस को फिर से केंद्र में ला दिया है। इसे केवल किसी एक राज्य या व्यक्ति तक सीमित कदम न मानकर शासन व्यवस्था में जवाबदेही और पारदर्शिता की व्यापक जरूरत के रूप में देखा जाना चाहिए। योगी आदित्यनाथ के इस निर्णय ने यह संकेत दिया है कि अब प्रशासनिक तंत्र में औपचारिकता नहीं, बल्कि वास्तविक जिम्मेदारी की अपेक्षा बढ़ रही है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में प्रशासन की भूमिका केवल योजनाएं लागू करने तक सीमित नहीं होती, बल्कि नागरिकों के अधिकारों की रक्षा, न्याय सुनिश्चित करने और कानून के राज को मजबूत करने की भी होती है। यदि शिकायतों की जांच में लापरवाही हो, गलत रिपोर्ट दी जाए या मामलों को जानबूझकर दबा दिया जाए, तो शासन की विश्वसनीयता पर सीधा आघात पड़ता है। इससे जनता का विश्वास कम होता है और लोकतांत्रिक व्यवस्था कमजोर पड़ती है। यही कारण है कि प्रशासनिक सुधारों में जवाबदेही को सबसे महत्वपूर्ण तत्व माना जाता है। विभिन्न अध्ययनों से यह तथ्य सामने आता है कि सरकारी सेवाओं से जुड़ी शिकायतों का बड़ा हिस्सा जांच और रिपोर्टिंग की प्रक्रिया में ही अटक जाता है। केंद्रीय प्रशासनिक सुधार आयोग की रिपोर्टों में भी इस बात का उल्लेख है कि शिकायत निवारण तंत्र की सबसे बड़ी कमजोरी समयबद्ध और निष्पक्ष जांच का अभाव है। कई राज्यों में लोकायुक्त, सतर्कता आयोग और ऑनलाइन जन शिकायत पोर्टल बनाए गए हैं, लेकिन उनकी प्रभावशीलता अधिकारियों की ईमानदार रिपोर्टिंग पर निर्भर रहती है। यदि जांच अधिकारी ही गलत या अधूरी रिपोर्ट दें, तो पूरी व्यवस्था निष्प्रभावी हो जाती है। ऐसे में गलत रिपोर्ट पर कानूनी कार्रवाई का प्रावधान प्रशासनिक सुधार की दिशा में एक मजबूत संकेत है। इससे अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को केवल कागजी प्रक्रिया न मानकर एक संवैधानिक दायित्व के रूप में देखने लगते हैं। जब किसी कार्य में व्यक्तिगत जवाबदेही जुड़ जाती है, तो कार्य की गुणवत्ता स्वतः सुधरती है। कई राज्यों में जहां सख्त जवाबदेही तंत्र लागू हुआ है, वहां शिकायतों के निस्तारण की गति और गुणवत्ता में सुधार देखा गया है। इसका दूसरा महत्वपूर्ण लाभ पारदर्शिता के रूप में सामने आता है। जहां जवाबदेही की स्पष्ट व्यवस्था होती है, वहां भ्रष्टाचार और लापरवाही में स्वाभाविक कमी आती है। विश्व बैंक और ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रिपोर्टों में भी यह बात सामने आई है कि जिन देशों और राज्यों में प्रशासनिक जवाबदेही मजबूत होती है, वहां सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता बेहतर होती है और नागरिक संतुष्टि का स्तर भी ऊंचा रहता है। तीसरा बड़ा लाभ प्रशासनिक संस्कृति में बदलाव का है। लंबे समय तक यह धारणा बनी रही कि गलत फैसलों या लापरवाही पर भी गंभीर दंड नहीं होता। इससे कामचलाऊ रवैया और जिम्मेदारी से बचने की प्रवृत्ति बढ़ी। लेकिन जब गलत रिपोर्ट पर एफआईआर जैसी कार्रवाई की संभावना बनती है, तो पूरा तंत्र अधिक जिम्मेदार और संवेदनशील बनता है। इससे ईमानदार अधिकारियों को भी एक सकारात्मक संदेश मिलता है कि व्यवस्था अब परिणाम आधारित कार्यशैली की ओर बढ़ रही है। प्रशासनिक सुधार का मूल उद्देश्य यही है कि आम नागरिक को न्याय के लिए बार-बार दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। यदि पहली ही जांच निष्पक्ष, पारदर्शी और तथ्यपरक हो, तो विवादों का समाधान जल्दी हो सकता है। इससे अदालतों पर बोझ कम होता है।

डिजिटल प्रगति के साथ बढ़ता खतरा

आलोक सिंह
अपर जिला सहकारी अधिकारी
तहसील ऊंचाहार
जनपद रायबरेली

वर्ष 2022 में 14 लाख से अधिक साइबर सुरक्षा घटनाएं दर्ज की गईं। वर्ष 2023 में यह आंकड़ा 18 लाख के करीब पहुंच गया। इनमें फिशिंग, रैनसमवेयर, डेटा चोरी, वेबसाइट हैकिंग और बैंकिंग फ्रॉड प्रमुख हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि साइबर अपराध अब व्यक्तिगत स्तर से आगे बढ़कर संस्थागत और राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बन चुका है।

भारत तेजी से डिजिटल क्रांति के दौर से गुजर रहा है। यूपीआई भुगतान प्रणाली से लेकर ऑनलाइन बैंकिंग, सोशल मीडिया, ई-गवर्नेंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तक, तकनीक ने जीवन को सरल बनाया है। परंतु इस डिजिटल विस्तार के साथ साइबर अपराध भी भयावह गति से बढ़ रहे हैं। हाल के वर्षों के आंकड़े इस खतरे की गंभीरता को स्पष्ट करते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में देश में साइबर अपराध के 65 हजार से अधिक मामले दर्ज किए गए, जो 2021 की तुलना में लगभग 24 प्रतिशत अधिक थे। 2023 और 2024 के प्रारंभिक आंकड़े बताते हैं कि यह संख्या 75 हजार के पार जा चुकी है।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि वास्तविक घटनाएं इससे कहीं अधिक हैं, क्योंकि बड़ी संख्या में लोग शिकायत ही दर्ज नहीं कराते। भारतीय कंप्यूटर आपातकालीन प्रतिक्रिया दल (CERT-In) के अनुसार वर्ष 2022 में 14 लाख से अधिक साइबर सुरक्षा घटनाएं दर्ज की गईं। वर्ष 2023 में यह आंकड़ा 18 लाख के करीब पहुंच गया। इनमें फिशिंग, रैनसमवेयर, डेटा चोरी, वेबसाइट हैकिंग और बैंकिंग फ्रॉड प्रमुख हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि साइबर अपराध अब व्यक्तिगत स्तर से आगे बढ़कर संस्थागत और राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा बन चुका है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि वित्तीय धोखाधड़ी के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। गृह मंत्रालय के अंतर्गत स्थापित इंडियन साइबर क्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर के अनुसार वर्ष 2023 में साइबर ठगी के कारण नागरिकों को 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ। केवल यूपीआई और डिजिटल भुगतान से जुड़ी ठगी के मामलों में प्रतिदिन सैकड़ों शिकायतें दर्ज हो रही हैं।

राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर प्रतिदिन औसतन 7 से 8 हजार शिकायतें दर्ज की जाती हैं। साइबर अपराधों की प्रकृति भी बदल रही है। पहले जहां ईमेल हैकिंग और साधारण ऑनलाइन ठगी तक सीमित अपराध थे, वहीं अब "डीपफेक" तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित धोखाधड़ी, सेक्सटॉर्शन, क्रिप्टोकरेंसी फ्रॉड और बच्चों के खिलाफ ऑनलाइन अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फर्जी प्रोफाइल बनाकर ब्लैकमेलिंग और पहचान की चोरी आम हो चुकी है। ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता की कमी के कारण लोग अधिक शिकार बन रहे हैं। एक सर्वे के अनुसार भारत में इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 85 करोड़ से अधिक है, परंतु डिजिटल सुरक्षा के बुनियादी उपायों की जानकारी रखने वालों का प्रतिशत 30 से भी कम है। यही कारण है कि "केवाईसी अपडेट" या "लॉटरी जीतने" जैसे साधारण संदेशों से भी लोग ठगी का शिकार हो जाते हैं। साइबर अपराध केवल आर्थिक नुकसान तक सीमित नहीं हैं। यह सामाजिक और मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा प्रभाव डालते हैं। सेक्सटॉर्शन और ऑनलाइन उत्पीड़न के कारण आत्महत्या जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। किशोरों और महिलाओं के खिलाफ ऑनलाइन शोषण के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है। यह स्थिति समाज के नैतिक और कानूनी ढांचे दोनों के लिए चुनौती है।सरकार ने इस दिशा में कई कदम उठाए हैं। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 में संशोधन, साइबर पुलिस स्टेशनों की स्थापना, डिजिटल फोरेंसिक प्रयोगशालाओं का विस्तार और साइबर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं।

"155260" हेल्पलाइन और राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल के माध्यम से त्वरित शिकायत दर्ज कराने की सुविधा दी गई है। कई मामलों में समय रहते कार्रवाई कर करोड़ों रुपये की राशि पीड़ितों को वापस भी दिलाई गई है।फिर भी चुनौतियां कम नहीं हैं। साइबर अपराधी तकनीकी रूप से अत्यंत दक्ष हैं और अक्सर अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के माध्यम से काम करते हैं। सीमा पार सर्वर, फर्जी सिम कार्ड, मनी म्यूल खाते और एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म जांच एजेंसियों के लिए बाधा बनते हैं।

पुलिस बल में प्रशिक्षित साइबर विशेषज्ञों की संख्या अभी भी आवश्यकता से कम है। ग्रामीण क्षेत्रों में साइबर पुलिस थानों की पहुंच सीमित है। समाधान बहुस्तरीय होना चाहिए। प्रथम, डिजिटल साक्षरता को स्कूल स्तर से अनिवार्य किया जाए। द्वितीय, बैंकों और फिनटेक कंपनियों को मजबूत सत्यापन प्रणाली लागू करनी चाहिए। तृतीय, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित फ्रॉड डिटेक्शन सिस्टम विकसित किए जाएं।

हमारी गीता

शब्दों का अभ्यास

स्वामिनी निष्कलानंदा
चिन्मय मिशन कल्याण

"धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः।
मामकाः पाण्डवाश्चैव
किमकुर्वत सञ्जय॥

महर्षि वेदव्यास के ये सरल शब्द अत्यंत गूढ संकेत देते हैं। गीता का आरंभ ही एक प्रश्न से होता है। यह केवल युद्ध का प्रश्न नहीं, बल्कि मनुष्य के अंतर्मन का प्रश्न है। जैसे डॉक्टर रोग समझने के लिए संपूर्ण परीक्षण करता है, वैसे ही गीता हमारे भीतर के रोग—मोह, लोभ, क्रोध और ममत्व—को पहचानने की औषधि है। धृतराष्ट्र का प्रश्न "मामकाः पाण्डवाश्चैव"—यहां "मामकाः" अर्थात "मेरे" शब्द विशेष अर्थ रखता है। "मेरे" की भावना ही आसक्ति और स्वार्थ का मूल है। कौरव उस ममत्व वृत्ति के प्रतीक हैं, जो हर समय कहती है—यह मेरा है। पांडव शुद्ध अंतःकरण, धर्मबुद्धि और सत्य के प्रतीक हैं। ये दोनों किसी अलग संसार में नहीं, बल्कि एक ही मन में रहते हैं।

"समवेता" का अर्थ है—एकत्र हुए। अर्थात धर्म और अधर्म, लोभ और संतोष, क्रोध और शांति—सब एक ही अंतःकरण में साथ उपस्थित हैं। मन एक है, पर उसकी वृत्तियां भिन्न हैं। भीतर ही भीतर कौरव और पांडवों का संघर्ष चलता रहता है। "किम् अकुर्वत"—उन्होंने क्या किया? धृतराष्ट्र को युद्ध का ज्ञान था। उसका आशय यह था कि धर्मक्षेत्र के प्रभाव से कहीं दुर्योधन का मन बदला क्या? कहीं युधिष्ठिर ने युद्ध टालने का विचार किया क्या? यह प्रश्न हमारे जीवन पर भी लागू होता है—धर्म की भूमि पर खड़े होकर हम क्या निर्णय लेते हैं? "धर्मक्षेत्र" केवल तीर्थस्थान नहीं है। यह हमारा शरीर, हमारा कर्मक्षेत्र और हमारा दैनिक जीवन ही धर्मक्षेत्र है। भगवान ने गीता का उपदेश रणभूमि में दिया, यह बताने के लिए कि जीवन का संघर्ष ही सच्चा धर्मक्षेत्र है। अतः गीता का पहला श्लोक हमें याद दिलाता है कि असली कुरुक्षेत्र हमारा मन है। वहीं निर्णय होगा कि हमारे भीतर कौरव जीतेंगे या पांडव।

शख्सियत | शरतचंद्र चट्टोपाध्याय

संघर्ष, संवेदना और साहित्य का अमर स्वर

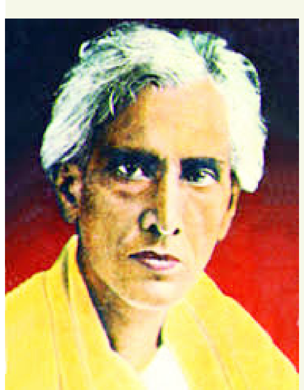

भारतीय साहित्य में शरतचंद्र चट्टोपाध्याय का नाम संवेदनशीलता, सामाजिक यथार्थ और मानवीय भावनाओं के सशक्त चित्रण के लिए अत्यंत आदर से लिया जाता है।

वे केवल बंगाली साहित्य के ही नहीं, बल्कि विश्व साहित्य के भी प्रमुख कथाकारों में गिने जाते हैं। उन्हें विश्व के सबसे महानतम लेखकों में से एक माना जाता है, क्योंकि उनकी रचनाएं मानव जीवन की सार्वभौमिक भावनाओं—प्रेम, पीड़ा, त्याग, संघर्ष और आत्मसम्मान—को इतनी सहजता से अभिव्यक्त करती हैं कि वे समय और भाषा की सीमाएं पार कर जाती हैं। उनका जीवन जितना संघर्षपूर्ण था, उनकी लेखनी उतनी ही करुणामयी और सत्यनिष्ठ थी। शरतचंद्र का जन्म 15 फरवरी 1876 को बंगाल के देवनंदपुर गांव में एक साधारण परिवार में हुआ। उनके पिता मोतीलाल चट्टोपाध्याय साहित्यप्रेमी थे, किंतु आर्थिक रूप से कमजोर थे। परिणामस्वरूप शरतचंद्र का बचपन अभावों और कठिनाइयों में बीता। कई बार परिवार को भोजन तक के लिए संघर्ष करना पड़ता था। इन परिस्थितियों ने उनके मन में गरीबों, शोषितों और विशेषकर महिलाओं के प्रति गहरी सहानुभूति और संवेदना उत्पन्न की। यही संवेदना आगे चलकर उनकी रचनाओं की आत्मा बनी। आर्थिक तंगी के कारण वे उच्च शिक्षा पूरी नहीं कर सके। युवावस्था में रोजगार की तलाश उन्हें बर्मा (अब म्यांमार) ले गई। वहां उन्होंने विभिन्न छोटे कार्य किए, किंतु साहित्य से उनका जुड़ाव बना रहा। वे अपने आसपास के समाज, रिश्तों और संघर्षों को गहराई से देखते और मन में संजोते रहे। यही अनुभव बाद में उनकी कहानियों और उपन्यासों का आधार बने। उनकी साहित्यिक यात्रा सरल नहीं थी। प्रारंभ में उन्हें पहचान नहीं मिली, परंतु "बड़दिदि" के प्रकाशन के बाद वे पाठकों के बीच लोकप्रिय हो गए। इसके बाद "देवदास", "परिणीता", "चरित्रहीन", "श्रीकांत" और "पथेर दावी" जैसी कृतियों ने उन्हें अमर बना दिया। उनके पात्र केवल काल्पनिक नहीं लगते, बल्कि वे हमारे आसपास के जीवंत चरित्र प्रतीत होते हैं। "देवदास" का आंतरिक द्वंद्व, "परिणीता" की ललिता का आत्मसम्मान और "श्रीकांत" की जीवनयात्रा आज भी पाठकों के मन को स्पर्श करती है। शरतचंद्र की विशेषता यह थी कि उन्होंने समाज के उन वर्गों को स्वर दिया, जिन्हें अक्सर उपेक्षित किया जाता था। उन्होंने स्त्री जीवन की वेदना, सामाजिक बंधनों की कठोरता और मनुष्य के भीतर चलने वाले नैतिक संघर्षों को अत्यंत मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया। वे बाल विवाह, दहेज प्रथा और स्त्री उत्पीड़न के विरोधी थे। उनकी रचनाएं केवल कथा नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का दस्तावेज हैं। उनकी भाषा सरल, प्रवाहपूर्ण और भावनात्मक है। यही कारण है कि उनकी कृतियां आम जनमानस में लोकप्रिय हुईं। उनकी रचनाओं का अनेक भारतीय भाषाओं में अनुवाद हुआ और उन पर कई सफल फिल्में भी बनीं।

जीवन ऊर्जा

गैलीलियो गैलीली: जन्म -15 फरवरी, 1564 | जन्म

आप किसी व्यक्ति को कुछ सिखा नहीं सकते

गैलीलियो गैलीली का जन्म 15 फरवरी, 1564 को इटली के पीसा शहर में हुआ था। वे महान इतालवी वैज्ञानिक थे। उन्होंने दूरबीन का आविष्कार कर ब्रह्मांड के रहस्यों को सुलझाया और कॉपरनिकस के इस सिद्धांत का समर्थन किया कि पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है।

इस कारण उन्हें चर्च के विरोध और नज़रबंदी का सामना करना पड़ा। उनका निधन 77 वर्ष की आयु में हुआ। प्रकृति की पुस्तक गणित की भाषा में लिखी गई है। जहां इंद्रियां विफल हो जाती हैं, वहां तर्क को आगे आना चाहिए। ब्रह्मांड को तब तक नहीं समझा जा सकता जब तक हम उसकी भाषा और अक्षरों को न सीखें। संदेह विज्ञान का पिता है। तथ्य जो पहले असंभव लगते थे, एक बार समझ में आ जाने पर सरल हो जाते हैं। सभी सत्य समझने में आसान होते हैं एक बार जब उन्हें खोज लिया जाता है; मुख्य बात उन्हें खोजना है। मैंने कभी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात नहीं की जो इतना अज्ञानी हो कि उससे कुछ सीखा न जा सके। आप किसी व्यक्ति को कुछ सिखा नहीं सकते, आप केवल उसे अपने भीतर खोजने में मदद कर सकते हैं। सत्य को बताने के लिए बहुत कम शब्दों की आवश्यकता होती है, लेकिन झूठ को छिपाने के लिए अनंत शब्दों की। जहां हम ज्ञान के बारे में बात करते हैं, वहां अधिकार (Authority) का कोई स्थान नहीं है। और फिर भी, यह (पृथ्वी) घूमती है! बाइबल हमें यह सिखाती है कि स्वर्ग कैसे जाना है, यह नहीं कि स्वर्ग कैसे चलता है। मुझे नहीं लगता कि वही ईश्वर जिसने हमें इंद्रियां, विवेक और बुद्धि दी है, यह चाहता है कि हम उनका उपयोग न करें। सूरज, जिसके चारों ओर इतने सारे ग्रह घूमते हैं, फिर भी एक अंगूर को पकाने में समय लेता है जैसे उसके पास और कोई काम न हो। शराब सूर्य के प्रकाश का वह हिस्सा है जिसे पानी ने थामे रखा है। सत्य की शक्ति उसके स्वयं के भीतर होती है, किसी बाहरी समर्थन में नहीं। विज्ञान का उद्देश्य केवल असीमित ज्ञान के दरवाजे खोलना नहीं है, बल्कि अनंत अज्ञानता पर सीमा लगाना है। गणित वह वर्णमाला है जिसके द्वारा ईश्वर ने ब्रह्मांड लिखा है।

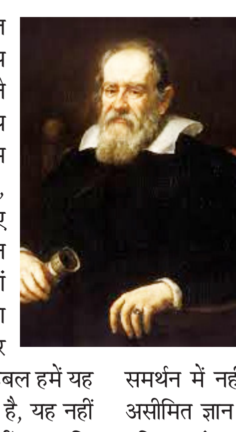

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

विश्वास की वह घंटी

महाभारत की कथा में कुरुक्षेत्र का युद्ध केवल शस्त्रों का संघर्ष नहीं था, वह मनुष्यता, धर्म और विश्वास की भी परीक्षा था। युद्ध से पहले विशाल मैदान को सेनाओं के आवागमन के योग्य बनाया जा रहा था। पेड़ों को उखाड़ा जा रहा था, भूमि समतल की जा रही थी और हाथियों से भारी-भरकम काम कराया जा रहा था। इसी उथल-पुथल के बीच एक छोटी-सी घटना घटती है, जो जीवन का बड़ा सत्य समझा जाती है। एक पेड़ पर एक गौरैया अपने चार नन्हे बच्चों के साथ रहती थी। जब वह पेड़ उखाड़ा गया, तो उसका घोंसला नीचे गिर पड़ा। संयोग से बच्चे सुरक्षित रहे, पर वे इतने छोटे थे कि उड़ नहीं सकते थे। चारों ओर सैनिकों की चहल-पहल, हाथियों की गर्जना और युद्ध की तैयारियों का शोर था। भयभीत गौरैया को समझ नहीं आ रहा था कि वह अपने बच्चों को कैसे बचाए। उसी समय उसने देखा कि भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन के साथ युद्धभूमि का निरीक्षण कर रहे हैं। साहस जुटाकर वह अपने छोटे-छोटे पंख फड़फड़ाती हुई किसी तरह उनके रथ तक पहुँची और विनती करने लगी— "हे कृष्ण, मेरे बच्चों की रक्षा कीजिए। युद्ध आरंभ होने पर वे कुचल दिए जाएँगे।" भगवान मुस्कुराए और बोले, "मैं तुम्हारी पीड़ा समझता हूँ, पर कालचक्र और प्रकृति के नियमों में हस्तक्षेप करना सरल नहीं होता।"गौरैया ने श्रद्धा से सिर झुकाते हुए कहा, "हे प्रभु, मैं जानती हूँ कि आप ही मेरे रक्षक हैं। मैं अपने बच्चों का भाग्य आपके चरणों में समर्पित करती हूँ। अब यह आप पर है कि उन्हें बचाएँ या न बचाएँ।" कृष्ण ने कहा, "कालचक्र पर किसी का वश नहीं होता।" पर गौरैया का विश्वास अडिग था। उसने उत्तर दिया, "प्रभु, आप ही काल के नियंता हैं। मैं स्वयं को और अपने परिवार को पूर्णतः आपको समर्पित करती हूँ।" गौरैया की अटूट आस्था देखकर कृष्ण ने कहा, "अपने घोंसले में तीन सप्ताह का भोजन एकत्र कर लो।"

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

यह संवाद अर्जुन ने ध्यान से नहीं सुना। उसने गौरैया को हटाने की कोशिश की, पर वह कुछ क्षण पंख फैलाकर खड़ी रही और फिर अपने बच्चों के पास लौट गई। दो दिन बाद शंखनाद के साथ महाभारत का भीषण युद्ध आरंभ हुआ। अचानक कृष्ण ने अर्जुन से कहा, "मुझे अपना धनुष-बाण दो।" अर्जुन चकित रह गया, क्योंकि कृष्ण ने युद्ध में शस्त्र न उठाने की प्रतिज्ञा ली थी। फिर भी उसने श्रद्धा से धनुष सौंप दिया। कृष्ण ने एक हाथी की ओर बाण चलाया। पर बाण हाथी को घायल करने के बजाय उसकी गर्दन में बंधी घंटी से टकराकर गिर पड़ा। घंटी टूटकर जमीन पर गिर गई। अर्जुन ने आश्चर्य से पूछा, "प्रभु, यह क्या हुआ?" कृष्ण ने शांत स्वर में कहा, "अब कोई अन्य कार्य आवश्यक नहीं है।" अर्जुन कुछ समझ नहीं पाया। युद्ध चलता रहा।

अपने विचार

जो कांग्रेस भारत को राष्ट्र मानने से इनकार करती है, जो सवाल करते हैं मां भारती क्या होती है? जो मां भारती के नाम तक से परहेज करते हों, जो मां भारती के प्रति जरा सा सम्मान नहीं दिखाते, वह कांग्रेस कभी भारत का भला नहीं कर सकती। इसलिए कांग्रेस ने कभी देश की सुरक्षा को प्राथमिकता नहीं दी।

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री, भारत

अमेरिका के किसानों के मुकाबले भारत के किसान शानदार हैं। अमेरिका से कृषि समझौते का भारत के किसानों को कोई नुकसान नहीं होगा। किसानों के हित से कोई समझौता और करार भारत सरकार नहीं करेगी। अमेरिका को कृषि उत्पाद जाएंगे, ना कि वहां से आएंगे।

जयंत चौधरी
केंद्रीय मंत्री

अखिलेश यादव बहुत अवसाद और तनाव में हैं। बिहार में तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने गए थे लेकिन बड़ी मुश्किल से हांफते-हांफते विपक्ष का नेता बना सके। तभी से अखिलेश यादव तनाव में ऊल-जुलूल बयान दे रहे हैं।

केशव प्रसाद मौर्या
डिप्टी सीएम, उत्तर प्रदेश

'अजित दादा 2014 से ही भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन करना चाहते थे क्योंकि उन्हें लगता था कि भाजपा और एनसीपी मिलकर राजनीतिक स्थिरता और सुशासन प्रदान कर सकते हैं। उन्होंने कई मौकों पर राकांपा नेतृत्व को यह बात स्पष्ट भी कर दी थी।

सुनील तटकरे
नेता, एनसीपी (अजित पवार)

अपने विचार
डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

350वीं शहीदी वर्षगांठ पर स्कूलों में जागरूकता अभियान

ठाणे। 'हिंद-दी-चादर' के रूप में प्रसिद्ध श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी की 350वीं शहीदी वर्षगांठ के अवसर पर ठाणे मनपा के विभिन्न स्कूलों में जनजागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। छात्रों को उनके त्याग, बलिदान और भक्ति का संदेश देने के लिए प्रभातफेरी, नारों और विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। नौपाड़ा स्थित आनंदीबाई केशव जोशी स्कूल और मनपा स्कूल क्रमांक 130 के विद्यार्थियों ने प्रभातफेरी निकालकर गुरु तेग बहादुर साहिबजी के जीवन और कार्यों से लोगों को अवगत कराया। स्कूलों में छात्रों को गुरु तेग बहादुर साहिबजी के जीवन पर आधारित शॉर्ट फिल्म भी दिखाई गई, ताकि वे उनके बलिदान और मानवता की रक्षा के लिए किए गए संघर्ष को समझ सकें। इन गतिविधियों का उद्देश्य नई पीढ़ी को उनके त्याग, समर्पण और राष्ट्रीय एकता व सामाजिक मूल्यों के महत्व से परिचित कराना है, जिससे छात्र उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित हों।

प्रकल्पग्रस्त भूमिपुत्रों को निःशुल्क स्टॉल देने की मांग

नवी मुंबई। नवी मुंबई क्षेत्र के प्रकल्पग्रस्त स्थानीय भूमिपुत्रों को आजीविका के साधन उपलब्ध कराने की मांग सोमनाथ नकुल म्हात्रे ने राज्य के वनमंत्री एवं पालघर जिले के पालकमंत्री गणेश नाईक से की है। निवेदन में कहा गया है कि नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र की पैतृक जमीनें राज्य शासन द्वारा अधिग्रहित कर सिडको तथा महाराष्ट्र राज्य औद्योगिक विकास महामंडळ को सौंप दी गईं, जिससे स्थानीय भूमिपुत्रों के पारंपरिक रोजगार समाप्त हो गए। आरोप है कि फुटपाथ व्यवसाय में बाहरी लोगों को प्राथमिकता दी जा रही है और स्थानीय लोगों के स्टॉल हटाए जा रहे हैं, जिससे उनके सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। मांग की गई है कि प्रकल्पग्रस्त भूमिपुत्रों को सिडको और नवी मुंबई महानगरपालिका प्रशासन द्वारा अधिकृत हॉकर जोन में निःशुल्क या रियायती दर पर स्टॉल दिए जाएं तथा व्यापार लाइसेंस में उन्हें प्राथमिकता मिले।

चर्नीरोड ब्रिज को लेकर स्थानीयों में आक्रोश

विरोध प्रदर्शन, मंत्री लोढ़ा भी हुए भी शामिल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

चर्नीरोड–गिरगाव ब्रिज के निर्माण को लेकर स्थानीय नागरिकों में भारी रोष देखा जा रहा है। शनिवार को सैफी हॉस्पिटल प्रबंधन के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया, जिसमें महाराष्ट्र के कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा भी शामिल हुए। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को भरोसा दिलाया कि गिरगांवकरों के अधिकार का यह पुल हर हाल में बनकर रहेगा।

चार साल से रुका है निर्माण कार्य

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि चर्नीरोड और गिरगाव को जोड़ने वाले इस पुल का निर्माण कार्य पिछले चार वर्षों से ठप पड़ा है। इसके कारण स्थानीय लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और क्षेत्र में कई दुर्घटनाएं भी हो चुकी हैं। डेढ़ साल पहले अदालत के आदेश के बाद पुल का काम शुरू हुआ था, लेकिन सैफी हॉस्पिटल प्रबंधन द्वारा फिर से अड़चन डालने के

मंत्री लोढ़ा का दावा: जनता के साथ हूं

मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा कि वे पिछले तीन वर्षों से इस पुल के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। बीएमसी स्तर पर पहल कर पुल को मंजूरी और फंड भी दिलाया गया था। उन्होंने बताया कि सैफी हॉस्पिटल ने कोर्ट में याचिका दायर की थी, लेकिन अदालत ने निर्माण कार्य की अनुमति दी थी। ब्रिज का करीब 60 प्रतिशत काम पूरा होने के बाद फिर से बाधा डाली गई। मंत्री ने कहा कि स्थानीय विधायक होने के नाते वे जनता के साथ खड़े हैं और पुल बनवाकर रहेंगे।

सैफी हॉस्पिटल के सामने प्रदर्शन

चर्नीरोड–गिरगाव पुल बचाओ समिति और मंगलवाड़ी–केलेवाड़ी रेजिडेंट्स एसोसिएशन के आह्वान पर स्थानीय नागरिकों ने सैफी हॉस्पिटल के गेट के सामने प्रदर्शन किया। मंत्री लोढ़ा ने कहा कि अस्पताल प्रबंधन की मनमानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और प्रशासन तथा जनता के बीच समन्वय स्थापित कर विकास कार्यों को गति दी जाएगी।

बीएमसी का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश

यह विरोध प्रदर्शन इसलिए किया गया ताकि बीएमसी में नए कार्यकाल के बाद प्रशासन और जनप्रतिनिधियों का ध्यान इस लंबे समय से लंबित मुद्दे की ओर आकर्षित किया जा सके। स्थानीय नागरिकों ने मांग की कि पुल का काम बिना किसी रुकावट के जल्द पूरा किया जाए।

ग्रामीण ब्रांच पोस्ट ऑफिसों के कामकाज की समीक्षा

डीबीडी संवाददाता । पुणे

14 फरवरी 2026 को महाराष्ट्र के तलेगांव दभाड़े में भारतीय डाक विभाग के महाराष्ट्र और गोवा सर्कल के चीफ पोस्टमास्टर जनरल अमिताभ सिंह ने पुणे रूरल पोस्टल डिपार्टमेंट के चुनिंदा ब्रांच पोस्ट ऑफिसों के कामकाज की समीक्षा की और ब्रांच पोस्टमास्टरों से संवाद किया। इस बैठक में तलेगांव दभाड़े, वडगांव, लोनावाला, राजगुरुनगर और चाकन क्षेत्रों के 70–75 से अधिक ग्रामीण डाक सेवकों ने भाग लिया।

बेहतर प्रदर्शन पर सम्मान, नई सेवाओं पर जोर

मीटिंग के दौरान रजिस्टर/स्पीड पोस्ट, सेविंग्स अकाउंट एक्विजिशन और इंश्योरेंस पॉलिसी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले नौ ग्रामीण डाक सेवकों को सम्मानित किया गया। अमिताभ सिंह ने ग्रामीण डाक सेवकों से रोज़मर्रा की समस्याओं पर चर्चा की और इंडियन पोस्ट की आधुनिक सेवाओं, डिजिटल ट्रांजैक्शन और ग्रामीण वित्तीय सेवाओं को बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में ब्रांच पोस्ट ऑफिस स्तर पर ई–केवाईसी सुविधा, रेनोवेशन, सीनियर सिटिज़न अकाउंट और PLI/RPLI जैसी योजनाओं पर भी सुझाव रखे गए। इस अवसर पर पुणे पोस्टल एरिया के डायरेक्टर अभिजीत बंसोड़े सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

एलटीटी-तिरुनेलवेली-एलटीटी एक्सप्रेस में स्थायी रूप से जोड़े जाएंगे 6 अतिरिक्त कोच

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारतीय रेलवे यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए ट्रेन संख्या 22629/22630 लोकमान्य तिलक टर्मिनस–तिरुनेलवेली एक्सप्रेस में स्थायी रूप से 6 अतिरिक्त कोच जोड़ेगा। इनमें 1 एसी 2-टियर, 4 एसी 3-टियर और 1 शयनयान कोच शामिल हैं, जिससे लंबी दूरी के यात्रियों को अधिक सीटें उपलब्ध होंगी।

पुरानी और नई संरचना का अंतर

पहले इस ट्रेन में 1 एसी–2 टियर, 2 एसी–3 टियर, 1 एसी–3 टियर इकोनॉमी, 6 शयनयान, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 सेकंड सीटिंग, लगेज सह गार्ड ब्रेक वैन और 1 जेनरेटर कार सहित कुल 16 एलएचबी कोच थे, जबकि संशोधित संरचना में 2 एसी–2 टियर, 6 एसी–3 टियर, 1 एसी–3 टियर इकोनॉमी, 7 शयनयान, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 सेकंड सीटिंग, लगेज सह गार्ड ब्रेक वैन और 1 जेनरेटर कार के साथ कुल 22 एलएचबी कोच होंगे।

संशोधित संरचना लागू होने की तिथि

ट्रेन संख्या 22629 लोकमान्य तिलक टर्मिनस–तिरुनेलवेली एक्सप्रेस संशोधित संरचना के साथ 16 अप्रैल 2026 से एलटीटी से चलेगी, जबकि ट्रेन संख्या 22630 तिरुनेलवेली–लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस नई संरचना के साथ 15 अप्रैल 2026 से तिरुनेलवेली से संचालित होगी।

समदिया कॉलेज में सीरत-ए-नबी कॉन्फ्रेंस का आयोजन

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी वीवर्स एजुकेशन सोसायटी के अंतर्गत संचालित समदिया कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स में Iran Cultural House Mumbai के सहयोग से 9 फरवरी 2026 को एक गरिमामयी सीरत-ए-नबी कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। युनूस समद ऑडिटोरियम में हुए इस आध्यात्मिक एवं चिंतनपरक कार्यक्रम में शिक्षकों, विद्यार्थियों और शहर के गणमान्य नागरिकों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र कुरआन की तिलावत और नात-ए-रसूल से हुई, जबकि कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मोहम्मद आरिफ अंसारी ने अतिथियों का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि और विद्वानों के विचार

कार्यक्रम की अध्यक्षता जमात–ए–इस्लामी हिंद ठाणे जिला के नाज़िम मौलाना औसाफ अहमद फलाही ने की, जबकि ईरान कल्चरल हाउस, मुंबई के निदेशक जनाब मोहम्मद रज़ा फज़ल मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि सीरत–ए–तैय्यबा सम्पूर्ण मानवता के लिए मार्गदर्शन का स्रोत है और हज़रत मुहम्मद की शिक्षाएँ शांति, न्याय और भाईचारे का संदेश देती हैं। विशिष्ट वक्ताओं मौलाना अहमदुल्लाह सलफी और मौलाना अख्तर सुल्तान इस्लाही ने सीरत–ए–रसूल को संपूर्ण जीवन पद्धति बताते हुए उस पर अमल करने की प्रेरणा दी। अध्यक्षीय भाषण में मौलाना औसाफ फलाही ने सीरत–ए–नबवी की समकालीन प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों से उसवा–ए–रसूल को अपने व्यक्तित्व निर्माण का आधार बनाने की अपील की। कार्यक्रम में वीवर्स एजुकेशन सोसायटी के पदाधिकारी, सामाजिक व शैक्षणिक हस्तियाँ, शिक्षक, विद्यार्थी और मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर जलीस अहमद शेख ने किया। अंत में प्रतिभागियों ने इस कॉन्फ्रेंस को ज्ञानवर्धक और आध्यात्मिक रूप से प्रेरणादायक बताया।

यात्रियों की भीड़ कम करने की पहल

विशेष ट्रेनों की सेवाओं का विस्तार करने का लिया गया निर्णय

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मध्य रेल ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए विशेष ट्रेनों की सेवाओं का विस्तार करने का निर्णय लिया है। ये ट्रेनें अब विशेष ट्रेन, होली स्पेशल और समर स्पेशल के रूप में चलाई जाएंगी, ताकि त्योहारों और गर्मी की छुट्टियों के दौरान यात्रियों को राहत मिल सके।

कुल 1448 विशेष ट्रेनें चलेंगी

मध्य रेल द्वारा कुल 1448 ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इनमें 328 होली स्पेशल, 148 विशेष ट्रेनें और 972 समर स्पेशल ट्रेनें शामिल हैं। यह व्यवस्था 24 फरवरी 2026 के बाद विभिन्न चरणों में लागू होगी और 15 जुलाई 2026 तक जारी रहेगी।

दैनिक विशेष ट्रेनें भी रहेंगी जारी

मध्य रेल द्वारा 28 फरवरी 2026 तक प्रतिदिन चलने के लिए अधिसूचित दैनिक विशेष ट्रेनों को 15 जुलाई 2026 तक जारी रखा गया है, जो 1 मार्च से 31 मार्च 2026 तक होली स्पेशल, 1 अप्रैल से 14 अप्रैल 2026 तक स्पेशल ट्रेन और 15 अप्रैल से 15 जुलाई 2026 तक समर स्पेशल ट्रेन के रूप में संचालित होंगी; इनमें ट्रेन संख्या 01461 सोलापुर–दौंड, 01462 दौंड–सोलापुर, 01465 सोलापुर–कलबुरगि, 01466 कलबुरगि–सोलापुर, 01487 हडपसर–हरंगुल, 01488 हरंगुल–हडपसर, 01024 कोल्हापुर–पुणे, 01023 पुणे–कोल्हापुर, 01211 बडनेरा–नाशिक और 01212 नाशिक–बडनेरा दैनिक विशेष ट्रेनें शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक ट्रेन कुल 137 ट्रिप करेगी।

साप्ताहिक ट्रेनों की अवधि बढ़ी

साप्ताहिक ट्रेन सेवाओं के तहत ट्रेन संख्या 01435 सोलापुर–लोकमान्य तिलक टर्मिनस, जो पहले 24 फरवरी 2026 तक प्रत्येक मंगलवार चलने वाली थी, अब 3 मार्च से 31 मार्च 2026 तक होली स्पेशल, 7 अप्रैल से 14 अप्रैल 2026 तक विशेष ट्रेन और 21 अप्रैल से 14 जुलाई 2026 तक समर स्पेशल के रूप में कुल 20 ट्रिप में चलेगी, जबकि ट्रेन संख्या 01436 लोकमान्य तिलक टर्मिनस–सोलापुर, जो पहले 25 फरवरी 2026 तक प्रत्येक बुधवार चलती थी, अब 4 मार्च से 1 अप्रैल 2026 तक होली स्पेशल, 8 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026 तक विशेष सेवा और 22 अप्रैल से 15 जुलाई 2026 तक समर स्पेशल के रूप में चलेगी; इसी तरह सोलापुर–अनकापल्ले साप्ताहिक विशेष ट्रेन संख्या 01477, जो पहले 27 फरवरी 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार चलने वाली थी, अब 6 मार्च से 27 मार्च 2026 तक होली स्पेशल, 3 अप्रैल से 10 अप्रैल 2026 तक विशेष ट्रेन और 17 अप्रैल से 10 जुलाई 2026 तक समर स्पेशल के रूप में कुल 19 ट्रिप में चलेगी, वहीं अनकापल्ले–सोलापुर साप्ताहिक विशेष ट्रेन संख्या 01478, जो पहले 28 फरवरी 2026 तक प्रत्येक शनिवार चलती थी, अब 7 मार्च से 28 मार्च 2026 तक होली स्पेशल, 4 अप्रैल से 11 अप्रैल 2026 तक विशेष ट्रेन और 18 अप्रैल से 11 जुलाई 2026 तक समर स्पेशल के रूप में कुल 19 ट्रिप में संचालित की जाएगी।

रमज़ान मुबारक की तैयारियों को लेकर महानगरपालिका की अहम बैठक

स्वच्छता, पानी और सुरक्षा पर विशेष जोर

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी निजामपुर शहर महानगर पालिका के प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर ने 12 फरवरी 2026 को नई प्रशासनिक इमारत स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में आगामी रमज़ान मुबारक के मद्देनज़र विभिन्न सरकारी एजेंसियों और विभागों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में रमज़ान के दौरान बाजारों में स्वच्छता, यातायात प्रबंधन, सुरक्षा, जल आपूर्ति और भीड़ नियंत्रण जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

सुचारू जल आपूर्ति और यातायात प्रबंधन

जल आपूर्ति विभाग को आदेश दिया गया कि जहां कहीं पानी की कमी या शिकायतें प्राप्त हों, वहां टैंकरों के माध्यम से तुरंत आपूर्ति की जाए और पानी सप्लाई का नियमित शेड्यूल जारी किया जाए। वहीं, परिवहन विभाग को भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष योजना तैयार करने तथा स्थानीय जनप्रतिनिधियों के सहयोग से दुकानदारों के लिए निर्धारित स्थानों की पहचान करने के निर्देश दिए गए। सुरक्षा के दृष्टिकोण से संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, पुलिस विभाग के साथ समन्वय बनाए रखने तथा अग्नि सुरक्षा के सभी इंतजाम दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए।

इसके अलावा, Torrent Power को निर्देशित किया गया कि रमज़ान के दौरान निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। यदि दुकानदारों को अस्थायी मीटर उपलब्ध कराए जाते हैं, तो विद्युत सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी कंपनी की होगी।

विशेष सफाई अभियान और कचरा प्रबंधन

आयुक्त ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग को निर्देश दिए कि रमज़ान के दौरान शहर में विशेष साफ–सफाई सुनिश्चित की जाए। इफ्तार के बाद तत्काल कचरा उठाव, कचरा पेटियों की संख्या बढ़ाने, प्रतिदिन सफाई, होटल एवं रेस्टोरेंट के साथ समन्वय कर गहन स्वच्छता अभियान चलाने, दिन में दो बार कचरा ढेर हटाने तथा घनकचरा केंद्रों पर अतिरिक्त फेरे लगाने के निर्देश दिए गए।

आपसी समन्वय से शांतिपूर्ण आयोजन का संकल्प

आयुक्त ने सभी विभागों को आपसी समन्वय मजबूत रखने तथा निर्धारित समय सीमा में आवश्यक कार्रवाई पूर्ण करने पर जोर दिया, ताकि रमज़ान मुबारक का पवित्र महीना सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके। बैठक में अतिरिक्त आयुक्त विठ्ठल डाके, अतिरिक्त आयुक्त नीना सासाने, पुलिस अधिकारी, सिटी इंजीनियर जावेद पटेल, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग के प्रमुख फैसल ततली, बाजार विभाग के अधिकारी तथा अन्य संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष कारोबार में वृद्धि के योग हैं। उचित निर्णय ले पाएंगे। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। मार्गदर्शन व सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जवाबदारी बढ़ सकती है। लाभ में वृद्धि होगी। जल्दबाजी न करें। प्रसन्नता रहेगी। समय अनुकूल है।

वृष अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होने से खिन्नता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। काम में मन नहीं लगेगा। बेकार बातों पर ध्यान न दें। आय बनी रहेगी। दौड़धूप अधिक होगी। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। शोक संदेश मिल सकता है। विवाद से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है।

मिथुन लेन-देन में जल्दबाजी न करें। बेवजह विवाद की स्थिति बन सकती है। विवेक से कार्य करें। लाभ होगा। किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है। व्यवसाय से संतोष नहीं होगा। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। थकान रहेगी।

कर्क मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। समय अनुकूल है। नए कार्य करने का मन बनेगा। उत्साह बना रहेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं।

सिंह आत्मसम्मान बना रहेगा। नए काम करने का मन बनेगा। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। दूर के अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कन्या रोजगार प्राप्ति सुगमता से होगी। यात्रा लाभदायक रहेगी। नए उपक्रम प्रारंभ करने की योजना बनेगी। लाभ में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

तुला घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। शत्रु सक्रिय रहेंगे। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। परीक्षा व साक्षात्कार आदि में सफलता प्राप्त होगी। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। समय की अनुकूलता का लाभ लें।

वृश्चिक लोग आप से अधिक अपेक्षा करेंगे। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। लेन-देन में सावधानी रखें। अनावश्यक खर्च पर नियंत्रण रखें। आय में निश्चितता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। कुसंगति से हानि होगी।

धनु लाभ में वृद्धि होगी। वरिष्ठजन मार्गदर्शन व सहयोग करेंगे। पठन-पाठन व लेखन आदि में मन लगेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। यात्रा आनंददायक हो सकती है। मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। उत्साह व प्रसन्नता बने रहेंगे। आराम का समय नहीं मिलेगा।

मकर पारिवारिक सहयोग मिलेगा। समय अनुकूल है, लाभ लें। प्रमाद न करें। यात्रा लाभदायक रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लिया हुआ कर्ज समय पर चुका पाएंगे। थकान महसूस होगी। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है।

कुंभ मान-सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से मेलजोल बढ़ेगा। योजना फलीभूत होगी। मित्रों की सहायता कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध हो सकते हैं। जीवन सुखमय रहेगा। कार्यस्थल पर परिवर्तन व सुधार संभव है। तत्काल लाभ नहीं मिलेगा।

मीन किसी मांगलिक कार्य में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। प्रतिद्वंद्वी सक्रिय रहेंगे। जीवन सुखमय रहेगा। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी।

महाशिवरात्रि की दिव्य रात्रि: शिव कृपा से दुखों का अंत और भाग्य का जागरण

महाशिवरात्रि केवल एक पर्व नहीं, बल्कि वह दिव्य क्षण है जब सम्पूर्ण ब्रह्मांड की ऊर्जा शिव तत्व में विलीन होकर साधक के जीवन को नया रूप देने के लिए तैयार रहती है। यह वह रात है जब स्वयं भगवान शिव अपने भक्तों के सबसे निकट होते हैं और उनके मन, कर्म और भाग्य में परिवर्तन का अवसर प्रदान करते हैं। सनातन परंपरा में इस रात्रि को आत्मशुद्धि, कर्मशुद्धि और भाग्य जागरण की रात्रि कहा गया है। जब साधक श्रद्धा, विश्वास और भक्ति के साथ शिव की आराधना करता है, तो उसके जीवन में चल रही नकारात्मक शक्तियाँ धीरे-धीरे समाप्त होने लगती हैं और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह प्रारंभ होता है।

शास्त्रों में वर्णित है कि इस रात शिवलिंग के समीप दीपक जलाना अत्यंत पुण्यदायक होता है। कुबेर का उदाहरण इसका प्रमाण है, जिनके बारे में शिव पुराण में वर्णन मिलता है कि पूर्व जन्म में उन्होंने शिवलिंग

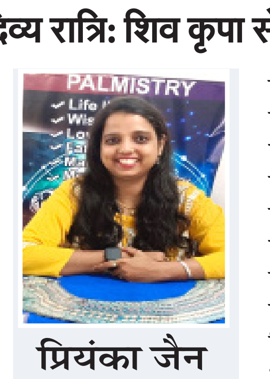

प्रियंका जैन
9769994439

के पास दीप प्रज्वलित किया था, जिसके फलस्वरूप अगले जन्म में वे देवताओं के धनाध्यक्ष बने। यह कथा हमें यह सिखाती है कि छोटे से छोटे श्रद्धापूर्ण कर्म भी जीवन में महान परिवर्तन ला सकते हैं। दीपक केवल प्रकाश नहीं देता, बल्कि वह अज्ञान के अंधकार को दूर कर ज्ञान और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करता है।

महाशिवरात्रि की रात पारद शिवलिंग या स्फटिक शिवलिंग की पूजा करना भी अत्यंत प्रभावशाली उपाय माना गया है। पारद शिवलिंग को शिव का साक्षात जीवंत स्वरूप माना जाता है, जिसमें ब्रह्मांडीय ऊर्जा का विशेष संचार होता है। जब साधक "ॐ नमः शिवाय" मंत्र का जप करते हुए जल, दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से अभिषेक करता है, तो यह केवल बाहरी पूजा नहीं होती, बल्कि यह साधक के भीतर स्थित पंचतत्वों की शुद्धि का भी प्रतीक होता है। यह प्रक्रिया मन के विकारों को शांत करती है और जीवन में स्थिरता और संतुलन लाती है।

महाशिवरात्रि का संबंध केवल शिव से ही नहीं, बल्कि उनके अंशावतार हनुमान से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। हनुमान चालीसा का पाठ इस दिन विशेष फलदायक माना जाता है, क्योंकि हनुमान शिव की ही ऊर्जा का विस्तार हैं। जब साधक हनुमान चालीसा का पाठ करता है, तो उसके भीतर भय, संदेह और नकारात्मक विचारों का नाश होता है और आत्मविश्वास तथा साहस का जन्म होता है। यह आत्मविश्वास ही जीवन की सबसे बड़ी शक्ति है, जो व्यक्ति को कठिन परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

दान का महत्व भी इस दिन अत्यंत विशेष माना गया है। किसी जरूरतमंद को अन्न, वस्त्र या धन का दान करना केवल सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि आध्यात्मिक उन्नति का साधन भी है। जब व्यक्ति निस्वार्थ भाव से दान करता है, तो उसका अहंकार समाप्त होता है और उसके भीतर करुणा और प्रेम का भाव जागृत होता है। यह भाव ही उसे शिव के निकट ले जाता है, क्योंकि शिव करुणा और दया के सागर हैं। इसी प्रकार बिल्व वृक्ष के नीचे खीर और घी का दान करना विशेष रूप से समृद्धि प्रदान करने वाला माना गया है, क्योंकि बिल्व वृक्ष शिव का प्रिय वृक्ष है और इसकी छाया में किया गया दान कई गुना फल देता है।

महाशिवरात्रि की रात जागरण करना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। जागरण का अर्थ केवल रात भर जागना नहीं, बल्कि अपने भीतर जागरूकता उत्पन्न करना है।

यहां की डिग्री मतलब नौकरी की गारंटी: योगी

एजेंसी । गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कैम्पियरगंज में प्रस्तावित प्रदेश का पहला वानिकी एवं उद्यान विज्ञान विश्वविद्यालय युवाओं के भविष्य को नई दिशा देगा। यहां से प्राप्त डिग्री और डिप्लोमा न केवल उच्च गुणवत्ता वाले होंगे, बल्कि रोजगार की दृष्टि से भी युवाओं के लिए भरोसेमंद साबित होंगे। देश ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इन पाठ्यक्रमों से प्रशिक्षित युवाओं के लिए अवसर उपलब्ध होंगे। साथ ही यह संस्थान किसानों की आय बढ़ाने में भी निर्णायक भूमिका निभाएगा।

▶▶ कैम्पियरगंज में बनने वाला वानिकी विश्वविद्यालय खोलेगा रोजगार के द्वार

▶▶ यहां के पाठ्यक्रम से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी युवाओं को मिलेंगे अवसर

कौड़िया में पुनर्निर्मित भवन का लोकार्पण

शनिवार को जंगल कौड़िया ब्लॉक में पुनर्निर्मित बीडीओ कार्यालय के लोकार्पण के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज वैश्विक चुनौती बन चुका है। ऐसे समय में कैम्पियरगंज में बनने वाला वानिकी विश्वविद्यालय वनाच्छादन बढ़ाने, जैव विविधता के संरक्षण और प्रदूषण की समस्या से निपटने में प्रभावी माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि स्वच्छ पर्यावरण ही स्वस्थ समाज की बुनियाद है।

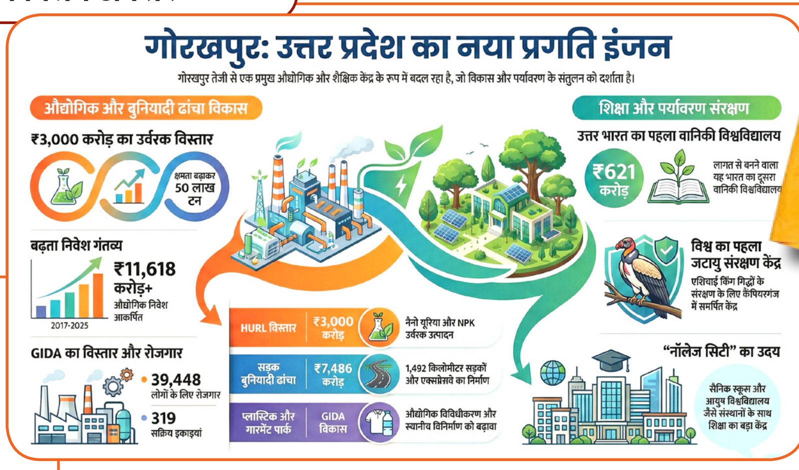

शुरू हुआ खाद के कारखानों का संचालन

विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 के बाद गोरखपुर और आसपास के क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन दिखाई दे रहे हैं। खाद कारखाने के पुनः संचालन, एम्स की सेवाओं, बीआरडी मेडिकल कॉलेज के उन्नयन, चीनी मिलों के पुनरुद्धार, बायो-गैस संयंत्रों और औद्योगिक विस्तार से क्षेत्र की तस्वीर बदली है। उन्होंने कहा कि साफ नीयत और सही दिशा में किए गए प्रयास अपने आप परिणाम देते हैं।

दूर हुईं समस्याएं, जरूरतमंद हुए लाभांवित

मुख्यमंत्री ने जंगल कौड़िया ब्लॉक से अपने पुराने जुड़ाव को याद करते हुए कहा कि उन्होंने क्षेत्र की समस्याओं को नजदीक से देखा और समाधान के लिए निरंतर प्रयास किए। आज सड़कों का चौड़ीकरण, बाईपास निर्माण, बाढ़ नियंत्रण और शैक्षिक-स्पोर्ट्स सुविधाओं के विस्तार से क्षेत्र नई पहचान बना रहा है। गरीब कल्याण की योजनाओं—आवास, शौचालय, राशन, आयुष्मान भारत और पेंशन—का लाभ पात्रों तक पहुंचा है।

कैंपियरगंज में गिद्धराज जटायु संरक्षण केंद्र

मुख्यमंत्री ने कैम्पियरगंज स्थित गिद्धराज जटायु संरक्षण केंद्र का उल्लेख करते हुए भारतीय संस्कृति में कृतज्ञता की परंपरा को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि रसायनों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से गिद्धों की संख्या में आई गिरावट चिंताजनक है। ऐसे में संरक्षण केंद्र का उद्देश्य न केवल जैव संतुलन बनाए रखना है, बल्कि भावी पीढ़ी को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाना भी है।

एशिया की सबसे बड़ी फारेस्ट्री यूनिवर्सिटी

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पूर्व ब्लॉक प्रमुख स्वर्गीय रामपति यादव को श्रद्धांजलि अर्पित की और वर्तमान ब्लॉक प्रमुख बृजेश यादव द्वारा विकास निधियों के प्रभावी उपयोग की सराहना की। कार्यक्रम में कैम्पियरगंज के विधायक फतेह बहादुर सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री की प्रेरणा से यहां एशिया की सबसे बड़ी फॉरेस्ट्री यूनिवर्सिटी के निर्माण की दिशा में तेजी से काम हो रहा है और शीघ्र ही शिलान्यास होगा। मंचीय कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री ने ब्लॉक परिसर में पुनर्निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया।

नेपाली दे रहा था बम से उड़ाने की धमकी

▶▶ एनसीआर के स्कूलों को दी थी धमकी, छह आरोपी दबोचे गए

▶▶ आनलाइन बेटिंग के जरिए बड़े पैमाने पर ठगी कर रहा था गिरोह

नोएडा। एनसीआर के प्रतिष्ठित निजी स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी देकर दहशत फैलाने वाले एक संगठित साइबर गिरोह का उत्तर प्रदेश विशेष कार्यबल ने पर्दाफाश किया है। कार्रवाई में छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जो अवैध ऑनलाइन बेटिंग के जरिए बड़े पैमाने पर ठगी भी कर रहे थे। आरोपियों के पास से वह मोबाइल फोन भी बरामद हुआ है, जिसका उपयोग धमकी भरे ई-मेल से जुड़े रिकवरी मेल के लिए किया गया था। एसटीएफ के अपर पुलिस अधीक्षक राजकुमार मिश्रा ने बताया कि यह गिरोह एनसीआर के अलग-अलग इलाकों में रहकर गतिविधियां संचालित कर रहा था।

अमेरिका दर्शाई गई थी मेल की लोकेशन

तकनीकी जांच में सामने आया कि धमकी भरे ई-मेल की उत्पत्ति अमेरिका से दर्शाई गई थी, जबकि उससे जुड़ा रिकवरी ई-मेल बांग्लादेश और भारत से लिंक पाया गया। गहन डिजिटल ट्रेसिंग के बाद इसका कनेक्शन शाहबेरी इलाके से जुड़ा मिला, जिसके आधार पर एसटीएफ ने छापा मारकर छह आरोपियों को हिरासत में लिया।

भारी मात्रा में इलेक्ट्रानिक उपकरण बरामद

इनके कब्जे से चार लैपटॉप, 22 मोबाइल फोन, दो नेपाली पासपोर्ट, दो फर्जी आधार कार्ड, चार पैन कार्ड, 16 डेबिट-क्रेडिट कार्ड, एक चेकबुक, नेपाली पहचान पत्र, ड्राइविंग लाइसेंस और 19,500 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी अवैध ऑनलाइन बेटिंग एप्स के लिए कॉल सेंटर संचालित करते थे।

UP की अर्थव्यवस्था में 36% महिलाओं की हिस्सेदारी

▶▶ आर्थिक प्रगति को मिली नई ताकत, पहले थी 13 प्रतिशत

एजेंसी । लखनऊ

बीते नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भूमिका अभूतपूर्व रूप से सशक्त हुई है। महिला श्रम बल भागीदारी दर जहां पहले 13 प्रतिशत के आसपास थी, वहीं अब यह बढ़कर 36 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। इस परिवर्तन ने राज्य के आर्थिक परिदृश्य को नई ऊर्जा दी है और विकास की रफ्तार को तेज किया है।

13 से 36 लाख करोड़ तक का सफर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में लागू नीतियों और योजनाओं का असर राज्य की समग्र अर्थव्यवस्था पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। वर्ष 2017 में लगभग 13 लाख करोड़ रुपये तक सीमित रहने वाला सकल राज्य घरेलू उत्पाद अब 2026-27 तक 36 लाख करोड़ रुपये के स्तर की ओर बढ़ रहा है। महिला श्रम सहभागिता में हुई वृद्धि को इस आर्थिक विस्तार का एक प्रमुख आधार माना जा रहा है।

महिलाएं बनीं आर्थिक विस्तार की प्रेरक शक्ति

महिलाओं की आय में वृद्धि का सीधा असर घरेलू खपत पर पड़ा है, जिससे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों और सेवा क्षेत्र को निरंतर बल मिला है। ग्रामीण स्वयं सहायता समूहों, डेयरी और कृषि आधारित गतिविधियों से लेकर शहरी सेवाओं तक, महिलाएं अब अर्थव्यवस्था के लिए 'ग्रोथ मल्टीप्लायर' की भूमिका निभा रही हैं।

भविष्य की अर्थव्यवस्था में निर्णायक योगदान

महिला सशक्तिकरण, कौशल विकास और स्वरोजगार को केंद्र में रखकर चलाई जा रही नीतियों से उत्तर प्रदेश में आर्थिक भागीदारी का दायरा तेजी से बढ़ रहा है। यदि यह प्रवृत्ति इसी गति से आगे बढ़ती रही, तो राज्य को ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की दिशा में ले जाने में महिलाओं का योगदान निर्णायक सिद्ध होगा।

महिला श्रम भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि

राज्य सरकार के अनुसार, महिला श्रम भागीदारी दर में प्रत्येक एक प्रतिशत की बढ़ोतरी से जीएसडीपी में 0.5 से एक प्रतिशत तक अतिरिक्त वृद्धि संभव होती है। उत्तर प्रदेश में यह सिद्धांत व्यावहारिक रूप से साकार होता नजर आ रहा है। महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से उत्पादन क्षमता, श्रम उत्पादकता और कर आधार—तीनों में एक साथ विस्तार हुआ है।

साथ जी नहीं सके तो मरकर अमर कर दिया प्रेम!

वैलेंटाइन डे पर नोएडा में दर्दनाक घटना, कार में मिला प्रेमी युगल का शव

एजेंसी । नोएडा

वैलेंटाइन डे के दिन नोएडा में एक हृदयविदारक घटना सामने आई, जिसने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सलारपुर गांव के पास शनिवार दोपहर एक खड़ी कार से युवक और युवती के शव बरामद किए गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। कार के भीतर दोनों के सिर में गोली लगने के निशान मिले हैं, जबकि युवक के हाथ में पिस्टल पाई गई। वाहन अंदर से बंद था, जिससे किसी बाहरी हस्तक्षेप की आशंका फिलहाल नहीं जताई जा रही है। मृतकों की पहचान सुमित (32), निवासी त्रिलोकपुरी, दिल्ली तथा रेखा (26), निवासी सलारपुर सेक्टर-101 के रूप में हुई है। पुलिस का कहना है कि दोनों के परिजनों को घटना की जानकारी दे दी गई है।

व्यक्तिगत कारणों से सुसाइड की आशंका

जांच में यह भी सामने आया है कि युवक और युवती के बीच प्रेम संबंध थे। पुलिस को आशंका है कि किसी व्यक्तिगत कारण के चलते दोनों ने यह कदम उठाया। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की गहन जांच कर रही है। वैलेंटाइन डे के दिन हुई इस घटना ने स्थानीय लोगों को झकझोर कर रख दिया है।

फारेंसिक टीम ने किया मौका मुआयना

थाना सेक्टर-39 के प्रभारी निरीक्षक डीपी शुक्ल ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि सेक्टर-107 के पास एक दिल्ली नंबर की कार में युवक और युवती अचेत अवस्था में पड़े हैं। मौके पर पहुंचने पर दोनों की मृत्यु की पुष्टि हुई। फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया है।

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर वन्यजीव तस्कर गिरफ्तार

सुपौल। भारत–नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा पर स्थित भीमनगर चेक पोस्ट पर तैनात सशस्त्र सीमा बल (45वीं वाहिनी) ने सतर्कता दिखाते हुए वन्यजीव तस्करी की एक कोशिश को विफल कर दिया। कार्रवाई के दौरान एक हिरन का सींग जब्त किया गया और इस मामले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। 45वीं वाहिनी के कमांडेंट गौरव सिंह ने बताया कि वन्यजीव अवयवों की तस्करी से जुड़ी गोपनीय सूचना के आधार पर भीमनगर चेक पोस्ट पर विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान सुरक्षा कर्मियों ने एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी में उसके पास मौजूद बैग से हिरन का सींग बरामद हुआ, जिसे अवैध रूप से सीमा पार ले जाने की तैयारी थी। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सुरेश कुमार देव, निवासी भवानीपुर, जिला सुपौल बताया।

वैलेंटाइंस डे पर कीमती धातुओं की दमदार छलांग

एजेंसी । नई दिल्ली/मुंबई

वैलेंटाइंस डे के अवसर पर सर्राफा और वायदा बाजार में निवेशकों का रुझान पूरी तरह कीमती धातुओं की ओर मुड़ गया। शुक्रवार को सोना और चांदी ने जोरदार तेजी दिखाते हुए नए ऊंचे स्तरों की ओर कदम बढ़ाए। चांदी लगभग ढाई लाख रुपये प्रति किलो के करीब पहुंच गई, जबकि सोना दिल्ली में 1.57 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के आसपास कारोबार करता नजर आया। वायदा बाजार में चांदी में सबसे तेज उछाल दर्ज किया गया। एमसीएक्स पर चांदी करीब 8,110 रुपये की तेजी के साथ 2,44,545 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। इसी तरह सोने में भी 3,266 रुपये की मजबूती दर्ज की गई, जिससे निवेशकों का उत्साह बढ़ा।

अमेरिकी आंकड़ों से सुरक्षित निवेश

विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका से आए महंगाई के नरम आंकड़ों ने डॉलर पर दबाव बनाया, जिससे निवेशकों ने सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सोना और चांदी की ओर रुख किया। जनवरी 2026 में अमेरिकी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 2.40 प्रतिशत रहा, जो बाजार अनुमान से कम रहा। इसी कारण वैश्विक बाजारों में बुलियन की मांग बढ़ी।

वैश्विक बाजार से मिला समर्थन

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी कीमती धातुओं में मजबूती बनी रही। हाजिर सोना करीब 4,968 डॉलर प्रति औंस के आसपास कारोबार करता रहा, जबकि कॉमेक्स पर सोना लगभग 5,046 डॉलर प्रति औंस पर बंद हुआ, जिसमें करीब दो प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई। चांदी ने भी वैश्विक स्तर पर तीन प्रतिशत से अधिक की छलांग लगाकर 77.96 डॉलर प्रति औंस का स्तर छू लिया।

घरेलू सर्राफा बाजार में चमक

घरेलू बाजार की बात करें तो राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना बढ़कर लगभग 1,57,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जबकि मुंबई में इसका भाव करीब 1,57,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। इससे एक दिन पहले ही बाजार में गिरावट देखी गई थी, जब दिल्ली में सोना करीब 2,400 रुपये टूट गया था और चांदी 13,500 रुपये की गिरावट के साथ 2.55 लाख रुपये प्रति किलो तक आ गई थी। शुक्रवार की तेजी ने इस कमजोरी की भरपाई कर दी।

आगे भी बनी रह सकती है तेजी

बाजार विश्लेषकों का मानना है कि हालिया उतार-चढ़ाव के बावजूद सोना-चांदी का दीर्घकालिक रुझान मजबूत बना हुआ है। ब्रोकरेज फर्म एमके वेल्थ का कहना है कि वैश्विक आर्थिक परिस्थितियां, संरचनात्मक मांग और निवेशकों की रणनीति आने वाले तीन से पांच वर्षों तक कीमती धातुओं को सहारा देती रहेंगी।

वर्ष के अंत तक $6300 की उम्मीद

वहीं जेपी मॉर्गन का अनुमान है कि वर्ष 2026 के अंत तक सोना 6,300 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। विशेषज्ञ निवेशकों को सलाह दे रहे हैं कि वे पोर्टफोलियो में संतुलन बनाए रखते हुए गिरावट के दौर में चरणबद्ध निवेश करें, क्योंकि मौजूदा हलचल को लंबी अवधि की तेजी के बीच का सुधार माना जा रहा है।

अकासा एयर की रणनीति संतुलित विस्तार पर केंद्रित: सीईओ

▶▶ मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने कहा- तात्कालिक लाभ के लिए फैसले नहीं लेती कंपनी

नई दिल्ली। निजी विमानन कंपनी अकासा एयर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विनय दुबे ने स्पष्ट किया है कि कंपनी अपने परिचालन निर्णय अवसरवादी सोच के आधार पर नहीं लेती। उन्होंने कहा कि अकासा एयर की प्राथमिकता वैकल्पिक परिचालन व्यवस्थाओं, वित्तीय अनुशासन और दीर्घकालिक स्थिरता पर केंद्रित है। शनिवार को राजधानी में आयोजित एक कार्यक्रम में विनय दुबे ने बताया कि एयरलाइन ने मौकापरस्त फ्लीट मैनेजमेंट मॉडल से दूरी बनाते हुए

बेड़े में शामिल होंगे 33 विमान

विनय दुबे के अनुसार, अनुशासित विमान बेड़ा प्रबंधन अकासा एयर की रणनीति का मूल आधार है। उन्होंने जानकारी दी कि निकट भविष्य में कंपनी के बेड़े में 33 विमान शामिल होंगे और एक अतिरिक्त एयरक्राफ्ट भी शीघ्र जोड़ा जाएगा। उल्लेखनीय है कि अकासा एयर ने अगस्त 2022 में अपने वाणिज्यिक परिचालन की शुरुआत की थी और कम समय में ही उसने स्थिर परिचालन और सुव्यवस्थित विस्तार के जरिए भारतीय विमानन बाजार में अपनी अलग पहचान बनाई है।

सर्दियों में निर्बाध रहा संचालन

सीईओ ने कहा कि अकासा एयर ने नए पायलट फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन नियमों को बिना किसी बाधा के लागू किया, जबकि कई अन्य एयरलाइनों को इसके कारण परिचालन चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इस पूर्व नियोजित सोच का लाभ यह हुआ कि सर्दियों के व्यस्त मौसम में भी कंपनी का नेटवर्क निर्बाध रूप से संचालित होता रहा।

US ट्रेड डील के बाद सस्ता होगा कच्चा तेल

भारत–अमेरिका अंतरिम समझौते से ऊर्जा आपूर्ति को बूस्ट : गोयल

मुंबई। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत और अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते से देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को मजबूती मिलेगी। इस समझौते के तहत भारत को कच्चा तेल, एलएनजी और रसोई गैस जैसी आवश्यक ऊर्जा वस्तुएं अधिक प्रतिस्पर्धी दरों पर उपलब्ध हो सकेंगी। शनिवार को यहां भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में मंत्री ने स्पष्ट किया कि समझौते में किसानों के हितों की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। उन्होंने बताया कि दोनों देशों ने वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का साझा लक्ष्य तय किया है और केंद्र सरकार इस दिशा में सक्रिय प्रयास कर रही है।

हर वर्ष बढ़ रही मांग

गोयल के अनुसार, प्रस्तावित व्यापार विस्तार में ऊर्जा क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, जहां ऊर्जा मांग हर वर्ष लगभग सात प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। आयात के विकल्प बढ़ने और आपूर्तिकर्ताओं की संख्या अधिक होने से भारत को कच्चा तेल और अन्य ऊर्जा संसाधन बेहतर कीमतों पर मिल सकेंगे। मंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि हाल ही में दोनों देशों ने अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा पर सहमति जताई है, जिसका उद्देश्य शुल्क संरचना को सरल बनाकर व्यापार को प्रोत्साहन देना है। इस पहल से न केवल ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी, बल्कि भारत–अमेरिका आर्थिक साझेदारी को भी नई गति मिलेगी।

घाटा उठाने के बाद पटरी पर आया इंडिगो

▶▶ उड़ानों में बाधा के बाद इंडिगो का बड़ा कदम

▶▶ 1,000 से अधिक पायलटों की भर्ती करने की योजना

नई दिल्ली। देश की अग्रणी विमानन कंपनी इंडिगो ने परिचालन क्षमता बढ़ाने के लिए 1,000 से अधिक पायलटों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया है। इसे भारतीय नागरिक उड्डयन क्षेत्र की सबसे बड़ी भर्तियों में से एक माना जा रहा है। पिछले वर्ष दिसंबर के पहले सप्ताह में नए विश्राम नियम लागू होने के बाद एयरलाइन को गंभीर क्रू कमी का सामना करना पड़ा था। परिणामस्वरूप सात दिनों के भीतर 5,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (FDTL) मानकों के अनुपालन में देरी को इस अव्यवस्था का प्रमुख कारण माना गया। कंपनी ट्रेनी फर्स्ट ऑफिसर, सीनियर फर्स्ट ऑफिसर और कैप्टन पदों पर नियुक्तियां करेगी। विशेष बात यह है कि एयरलाइन ऐसे पायलटों को भी अवसर देगी जिनके पास एयरबस A320 विमान उड़ाने का पूर्व अनुभव नहीं है, जबकि उसके बेड़े का बड़ा हिस्सा इसी मॉडल का है।

हर महीने चार विमान शामिल कर रही कंपनी

एयरलाइन प्रबंधन का कहना है कि कंपनी बेड़े का तेजी से विस्तार कर रही है और उसी अनुपात में मानव संसाधन भी बढ़ाया जा रहा है। इंडिगो हर महीने लगभग चार नए विमान शामिल कर रही है। साथ ही, आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत प्रतिमाह 20 से 25 फर्स्ट ऑफिसरों को कैप्टन पद पर पदोन्नत किया जा रहा है। नियमों के अनुसार, किसी ट्रेनी फर्स्ट ऑफिसर को नियमित फर्स्ट ऑफिसर बनने के लिए लगभग छह महीने का प्रशिक्षण पूरा करना होता है। वहीं, कम से कम 1,500 घंटे की उड़ान अनुभव वाले फर्स्ट ऑफिसर को ही कैप्टन के रूप में अपग्रेड किया जा सकता है। DGCA के प्रावधानों के तहत प्रत्येक विमान के लिए पायलटों के तीन सेट अनिवार्य हैं, जिनमें एक कैप्टन और एक फर्स्ट ऑफिसर शामिल होता है।

दिसंबर में 2422 कैप्टन थे इंडिगो के पास

एविएशन नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) की जांच में सामने आया था कि एयरलाइन ने नए नियमों को लागू करने से पहले पर्याप्त संख्या में पायलटों की भर्ती और प्रशिक्षण नहीं किया। इससे मौजूदा पायलटों पर कार्यभार बढ़ गया। जांच के अनुसार, दिसंबर में कंपनी को 2,422 कैप्टनों की आवश्यकता थी, जबकि उपलब्ध संख्या 2,357 थी। बाद में नियामक ने 10 फरवरी तक सीमित राहत प्रदान की थी।

सुपर संडे का सुपरहिट मुकाबला

- टी-20 विश्व कप में भारत और पाकिस्तान की टीमें कोलंबो में भिड़ेंगी
- ग्रुप ए में होने वाले मुकाबले के लिए टीम इंडिया में अभिषेक शर्मा के खेलने पर पसोपेश
- स्पिनरों को पिच से मदद मिलने की उम्मीद

एजेंसी । कोलंबो

क्रिकेट के मैदान में जब भारत और पाकिस्तान की टीमें भिड़ती हैं, तो टूर्नामेंट कोई भी हो, क्रिकेट प्रेमियों के लिए मुकाबला विश्व कप फाइनल जैसा होता है। कुछ ऐसा ही रविवार को यहां होगा जब ये दोनों टीमें मौजूदा टी-20 विश्व कप के अपने ग्रुप मैच में आमने-सामने होंगी।

कोई कोताही नहीं

विश्व कप के सबसे चर्चित मुकाबले में भारत के मध्य क्रम के सामने पाकिस्तान के स्पिनरों की चुनौती होगी और दोनों टीमें किसी तरह की कोताही बरतना नहीं चाहेंगी। काफी वाद-विवाद, उतार चढ़ाव और राजनीतिक प्रयासों के बाद हो रहे इस मुकाबले में दोनों टीमों की प्रतिद्वंद्विता और खासकर इस मैच की पृष्ठभूमि को देखते हुए यह तो तय है कि अब कोई इसे हारना नहीं चाहेगा। हारने पर अपने प्रशंसकों का कोपभाजन बनना दोनों में से किसी टीम को मंजूर नहीं होगा और वह भी तब जबकि विश्व कप के अहम मुकाबले अभी आने बाकी हैं।

बल्लेबाजों के सामने चुनौती

विश्व कप से पहले भारत की बल्लेबाजी काफी मजबूत लग रही थी लेकिन टूर्नामेंट के दो मैचों में बल्लेबाजों का प्रदर्शन चिंता का सबब है। अमेरिका के खिलाफ भारत के छह विकेट 77 रन पर गिर गए थे जबकि नामीबिया के खिलाफ डेथ ओवरों में मेजबान टीम ने चार रन के भीतर पांच विकेट गंवा दिए थे लेकिन 200 रन से अधिक का स्कोर और 93 रन से जीत के कारण यह कमजोरियां दब गईं। दोनों मैचों में सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन और हार्दिक पांड्या ने संकटमोचक की भूमिका निभाई।

नंबर गेम

16 टी-20 मुकाबले अब तक दोनों टीमों ने आपस में खेले

12 में भारत जीता, तीन हारा, एक मुकाबला टाई रहा

08 मुकाबले दोनों ने खेले; छह भारत जीता, तीन हारा, एक टाई रहा

भारत का पलड़ा भारी

भारतीय टीम विश्व कप में पाक से सिर्फ एक बार 2021 में हारी थी, दस विकेट से। वैसे भारतीय टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए हमेशा जीत हासिल की है। ग्रुप ए में दोनों टीमों के दो-दो मैच जीतकर चार अंक हैं, लेकिन रनरेट के आधार पर भारत शीर्ष पर है।

अभिषेक पर संशय

भारत के सामने समस्या अभिषेक शर्मा को लेकर है जो पेट के संक्रमण के कारण दो दिन अस्पताल में रहे और नामीबिया के खिलाफ नहीं खेल सके थे। उनके नहीं खेलने पर या तो संजू सैमसन को ही उतारा जा सकता है या ईशान किशन के साथ पारी की शुरुआत के लिए वॉशिंगटन सुंदर को मौका दिया जा सकता है जो फिट हो गए हैं। प्रेमदासा स्टेडियम की धीमी पिच पर सुंदर अच्छी ऑफ स्पिन गेंदबाजी भी कर सकते हैं। पिच को देखते हुए बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को भी उतारा जा सकता है। ऐसे में रिंकू सिंह को बाहर रहना पड़ सकता है। बाबर आजम के खिलाफ कुलदीप के शानदार रिकॉर्ड और एशिया कप फाइनल में उनके चार विकेट को देखते हुए उन्हें इस मैच में मौका देना अच्छा विकल्प होगा।

पाक को फायदा

पिछले साल हाइब्रिड मॉडल पर सहमति बनने के बाद पाकिस्तान टीम के मैच कोलंबो में हो रहे हैं जिससे उसे हालात और पिच की बेहतर जानकारी है। पिच धीमे गेंदबाजों की मददगार है और पाकिस्तान के पास उस्मान तारिक, सईम अयूब, अबरार अहमद, शादाब खान और मोहम्मद नवाज जैसे स्पिनर हैं। तारिक का गेंदबाजी एक्शन पहले ही चर्चा का विषय बन चुका है और भारतीय बल्लेबाजों से उनकी टक्कर रोचक रहेगी। पाकिस्तान की बल्लेबाजी साहिबजादा फरहान पर निर्भर होगी जबकि अयूब और हरफनमौला फहीम अशरफ उनका साथ देंगे। पाकिस्तान का सामना अभी तक बेहतरीन गेंदबाजी आक्रमण से नहीं हुआ है जो भारत के पास है। जसप्रीत बुमराह से लेकर वरुण चक्रवर्ती तक भारत के पास मैच विनर हैं और हरफनमौला शिवम दुबे की गेंदबाजी भी बेहतर हुई है। वैसे तमाम समीकरणों, टीम संयोजन और कौशल से इतर यह मुकाबला जज्बात पर काबू पाने का है और बाहरी तथा भीतरी दबाव झेलने वाली टीम की विजयी रहेगी।

श्रीलंका की राजधानी में कड़ी सुरक्षा

कोलंबो। श्रीलंका पुलिस ने शनिवार को कहा कि भारत-पाक मैच के लिए मुकाबले से पहले विशेष सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। पुलिस प्रवक्ता एफ टी वूटलर ने कहा, हमने एक विशेष यातायात और सुरक्षा व्यवस्था की है। मुकाबले के दौरान किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। टीमें जैसे ही हवाई अड्डे से बाहर निकलेंगी, उन्हें सशस्त्र सुरक्षा प्रदान की जाएगी। विमान में लौटने तक उनके साथ सशस्त्र गार्ड रहेंगे। दर्शकों से अनुरोध है कि वे मैच देखने चार घंटे पहले पहुंचें। सभी गेट दोपहर तीन बजे खोल दिए जाएंगे।

भारतीय खिलाड़ियों से हाथ मिलाने पर आज फैसला: सलमान अली आगा

कोलंबो। पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा ने मैच के टॉस या मुकाबले से बाद भारतीय खिलाड़ियों से हाथ मिलाने के सवाल पर कहा, इस बारे में हम कल देखेंगे। खेल उसी भावना से खेला जाना चाहिए, जिसके लिए वह जाना जाता है। आईसीसी चाहता है कि एशिया के पांच टेस्ट खेलने वाले देशों के अधिकारी साथ बैठकर मैच देखें। आईसीसी प्रमुख जय शाह के रविवार को कोलंबो में मौजूद रहने की संभावना है, जहां वह भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के प्रतिनिधियों के साथ एक अनौपचारिक बैठक कर सकते हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम बुलबुल ने कहा था कि वह भारत-पाक मैच देखने के लिए कोलंबो में रहेंगे।

जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड की नजरें पहली बार फाइनल का टिकट कटाने पर

- सेमीफाइनल में बंगाल और कर्नाटक जैसी पूर्व चैंपियनों से भिड़ंत के लिए तैयार नई टीमें

रणजी ट्रॉफी

कोलकाता। पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचे जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड की नजरें रविवार से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में अपनी लय कायम रखते हुए बंगाल और कर्नाटक जैसे दिग्गजों को हराने पर लगी होंगी। दोनों टीमें किसी भी हाल में पहली बार खिताबी मुकाबले में जगह बनाना चाहेंगी।

जम्मू-कश्मीर ने इंदौर में मध्य प्रदेश को 56 रन से हराकर पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई। रणजी ट्रॉफी में 1959-60 में पदार्पण करने के बाद से यह उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। तेज गेंदबाज आकिब नबी ने 110 रन देकर 12 विकेट चटकाते हुए जीत की नींव रखी। नबी अब तक टूर्नामेंट में 46 विकेट ले चुके हैं जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सुनील कुमार ने उनका बखूबी साथ निभाते हुए 22 विकेट लिए हैं। बल्लेबाजी में अब्दुल समद 543 रन बना चुके हैं जबकि अनुभवी कप्तान पारस डोगरा ने 484 रन का योगदान दिया है।

मयंक की गेंदों का कहर

उत्तराखंड के लिए स्पिनर मयंक मिश्रा टूर्नामेंट में कहर बरपाते हुए अब तक सर्वाधिक 52 विकेट ले चुके हैं। हरफनमौला जगदीश सुचित ने 25 विकेट लिए और 414 रन बनाए हैं। कप्तान कुणाल चंदेला 709 रन बना चुके हैं। बल्लेबाजी में मयंक अग्रवाल (492), देवदत्त पडिक्कल (300), स्मरण रविचंद्रन (688) और करुण नायर (631) का अच्छा प्रदर्शन रहा है। केएल राहुल ने क्वार्टर फाइनल में 138 रन बनाए। गेंदबाजी में लेग स्पिनर श्रेयस गोपाल 41 विकेट ले चुके हैं जबकि विदवत कावेरप्पा 37 और शिखर शेट्टी 33 विकेट ले चुके हैं।

घरामी रहेंगे चुनौती

अब उनके सामने बंगाल की चुनौती है जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में मजबूत टीम है और कल्याणी में अपने मैदान पर खेलने का उसे फायदा भी मिलेगा। सुदीप कुमार घरामी के 299 रन की मदद से बंगाल ने क्वार्टर फाइनल में आंध्र को एक पारी और 90 रन से हराया। घरामी अभी तक 651 रन बना चुके हैं जबकि सुमंत गुप्ता ने 506, अभिमन्यु ईश्वरन ने 373 और अनुस्तूप मजूमदार ने 367 रन बनाए हैं। बंगाल के लिए शाहबाज अहमद 39 विकेट ले चुके हैं जबकि मोहम्मद शमी ने 28 और आकाश दीप ने 19 विकेट लिए हैं। कर्नाटक की नजर नौवें खिताब पर लखनऊ। दूसरा सेमीफाइनल यहां इकाना स्टेडियम में उत्तराखंड और आठ बार की चैंपियन कर्नाटक के बीच होगा। उत्तराखंड ने जमशेदपुर में झारखंड को एक पारी और छह रन से हराया जबकि कर्नाटक ने रिकॉर्ड 42 बार की विजेता मुंबई को मात दी। कर्नाटक की नजरें नौवें खिताब पर हैं जिसने 2013-14 और 2014-15 में लगातार दो खिताब जीतने के बाद से ट्रॉफी अपने नाम नहीं की है।

नंबर गेम

08 बार खिताब जीत चुकी है कर्नाटक की टीम, छह बार उपविजेता रही

16वीं बार फाइनल में जगह बनाने उतरेगी दो बार चैंपियन बंगाल की टीम

प्रमोद भगत ने छठा विश्व खिताब जीतकर रचा इतिहास

पैरा बैडमिंटन

मनामा। भारत के पैरा शटलर प्रमोद भगत ने शनिवार को इतिहास रच दिया। उन्होंने यहां बीडब्ल्यूएफ पैरा विश्व बैडमिंटन में इंडोनेशिया के मोहम्मद अल इमरान पर शानदार जीत दर्ज करते हुए पुरुषों के एसएल3 वर्ग का स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। यह विश्व चैंपियनशिप में उनका लगातार चौथा एकल स्वर्ण और इस वर्ग में कुल छठा विश्व खिताब है। 37 वर्षीय भगत ने फाइनल में अपने प्रतिद्वंद्वी को 21-12, 21-18 से हराया।

लिन डैन को पछाड़ा

इस जीत से भगत ने चीन के दिग्गज लिन डैन को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने सक्षम (एबल बॉडी) बैडमिंटन में पुरुष एकल के पांच विश्व खिताब जीते हैं। इस तरह भगत विश्व चैंपियनशिप इतिहास में खेल के सबसे सफल एकल खिलाड़ी बन गए। यह जीत भगत के लिए शानदार वापसी भी साबित हुई क्योंकि उन पर बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) के डोपिंग रोधी नियम के तहत अपने स्थल की जानकारी देने वाले (वेयरअबाउट्स) नियम के उल्लंघन के कारण 18 महीने का निलंबन लगा था। इसकी वजह से वह 2024 पेरिस पैरालंपिक में भाग नहीं ले सके थे। बाद में भगत ने सुकांत कदम के साथ पुरुष युगल एसएल3-एसएल4 का खिताब जीता जिसमें उन्होंने फाइनल में हमवतन जे दिल्ली और एन शिवकुमार को 21-19, 21-16 से शिकस्त दी।

भारत-ऑस्ट्रेलिया महिला टीमों का पहला टी-20 आज

सिडनी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की सीरीज का पहला टी-20 मैच रविवार को यहां खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम तीन टी-20 अंतरराष्ट्रीय, तीन एकदिवसीय और छह मार्च से पर्थ में दिन-रात्रि का टेस्ट मैच खेलेगी। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली भारतीय टीम 50-ओवर विश्व कप जीत के बाद पहली बार विदेश में सीरीज खेलेगी। भारत टी-20 में विश्व रैंकिंग में तीसरे जबकि मेजबान ऑस्ट्रेलिया पहले नंबर पर हैं। वनडे विश्व कप चैंपियन बनने के बाद भारतीय टीम के हौसले बुलंद हैं। कप्तान हरमनप्रीत कौर को टीम से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि वे (ऑस्ट्रेलिया) बहुत मजबूत टीम हैं, लंबे समय से अच्छा क्रिकेट खेल रही हैं।

बॉलीवुड

'अस्सी' : रिव्यू

जब हर 20 मिनट पर झकझोरती है स्क्रीन

@ लोकेश चंद्रा

हम अक्सर खबरों को स्क्रोल करके आगे बढ़ जाते हैं। एक और अपराध, एक और हेडलाइन, एक और बहस। लेकिन क्या होता है उस एक 'हेडलाइन' के बाद? अस्सी उसी अनकहे हिस्से को सामने लाती है, जहां आंकड़े इंसान बनते हैं और इंसान जख्म। भारत में यौन अपराधों के आंकड़े सिर्फ सरकारी फाइलों में दर्ज संख्या नहीं हैं, वे उन घरों की चुप्पी हैं जहां हंसी अचानक गायब हो जाती है। निर्देशक अनुभव सिन्हा एक बार फिर वही करते हैं, जिसके लिए वे जाने जाते हैं, सुविधाजनक सिनेमा नहीं, असुविधाजनक सच। 'मुल्क' और 'थप्पड़' के बाद इस बार उनके साथ हैं तापसी पन्नू, और नतीजा है एक ऐसी फिल्म जो आपको देखती भी है और परखती भी। टी-सीरीज द्वारा निर्मित 'अस्सी' 20 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। लेकिन सवाल रिलीज डेट का नहीं है। सवाल यह है कि क्या हम उस सच्चाई का सामना करने के लिए तैयार हैं, जिसे यह फिल्म हमारे सामने रखती है?

रेटिंग ★★★★☆

निर्देशक: अनुभव सिन्हा

कलाकार: तापसी पन्नू, कानि कुश्रुति, रेवती, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा, मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब, नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक, सीमा पाहवा, अद्विक जायसवाल

कैसी है फिल्म

'अस्सी' मनोरंजन के लिए नहीं बनी। यह आपको असहज करती है, झकझोरती है और कई बार चुप कर देती है। फिल्म का ट्रीटमेंट बेहद रॉ है। अनुभव सिन्हा किसी भी सीन को ग्लैमरस या सिनेमाई प्रभाव के लिए मुलायम नहीं बनाते। हर 20 मिनट में स्क्रीन पर उभरती स्लेट एक सख्त याद दिलाती है कि अपराध सिर्फ कहानी का हिस्सा नहीं, वह आज की सच्चाई है। बीच-बीच में फिल्म की रफ्तार थोड़ी धीमी होती है और 'छतरी मैन' जैसा सब-प्लॉट हल्का भटकाव देता है, लेकिन मूल कथा की ताकत बनी रहती है।

अभिनय

कानी कुस्रुति इस फिल्म की धड़कन हैं। उनके चेहरे की खामोशी और आंखों का खालीपन शब्दों से कहीं ज्यादा बोलता है। वे परिमा को निभाती नहीं जीती हैं। तापसी पन्नू एक सधे हुए, दृढ़ और आत्मविश्वासी वकील के रूप में नजर आती हैं। उनका प्रदर्शन संयमित है, लेकिन प्रभावशाली। अद्विक जायसवाल ने मासूमियत के साथ उस बच्चे की उलझन को दिखाया है, जो अचानक बड़ी दुनिया के क्रूर सच से टकरा जाता है। सपोर्टिंग कास्ट में नसीरुद्दीन शाह, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा, रेवती और सीमा पाहवा जैसे कलाकार फिल्म को गंभीरता और वजन देते हैं।

कहानी

कहानी परिमा (कानी कुस्रुति) की है, एक साधारण टीचर, जो अपने पति विनय (मोहम्मद जीशान अय्यूब) और बेटे ध्रुव (अद्विक में जायसवाल) के साथ दिल्ली में एक सादा और खुशहाल जीवन जी रही है। एक रात, घर लौटते वक्त उसकी दुनिया बिखर जाती है। पांच लोग उसे अगवा कर सामूहिक दुष्कर्म करते हैं और अधमरी हालत में छोड़ देते हैं। इसके बाद फिल्म सिर्फ अपराध की कहानी नहीं रहती, यह न्याय की तलाश, आत्मसम्मान की लड़ाई और समाज की मानसिकता का आईना बन जाती है। वकील रावी (तापसी पन्नू) अदालत में परिमा का पक्ष संभालती हैं। लेकिन कोर्टरूम के भीतर की बहस से ज्यादा मुश्किल है कोर्टरूम के बाहर की निगाहें। 'अस्सी' नाम का अर्थ क्या है, यह फिल्म के अंत में एक प्रतीक की तरह खुलता है।

निर्देशन और लेखन

फिल्म के लेखक गौरव सोलंकी ने संवादों में आक्रोश को शोर नहीं बनने दिया। शब्द शांत हैं, लेकिन असर गहरा है। कोर्टरूम को यहां नाटकीय तमाशा नहीं बनाया गया। बहसें वास्तविक हैं, जज की सख्ती असली लगती है और प्रक्रिया का बोझ महसूस होता है। यही फिल्म की विश्वसनीयता है। अनुभव सिन्हा और गौरव सोलंकी की जोड़ी ने बिना किसी लाग-लपेट के सच्चाई को सामने रखा है, और यही इसकी सबसे बड़ी ताकत है।

संगीत

फिल्म में गानों की जगह खामोशी ज्यादा बोलती है। रंजीत बरोट का बैकग्राउंड स्कोर दृश्यों की बेचैनी को बढ़ाता है। यह संगीत मनोरंजन नहीं, बल्कि माहौल की तीव्रता को गहरा करने का माध्यम बनता है।

देखें या नहीं?

अगर आप सिनेमा को सिर्फ टाइमपास नहीं, बल्कि सामाजिक हस्तक्षेप मानते हैं, तो 'अस्सी' जरूर देखें। लेकिन अगर आप हल्का-फुल्का मनोरंजन चाहते हैं, तो यह फिल्म आपको असहज कर सकती है। यह फिल्म सवाल पूछती है, जवाब नहीं देती। 'अस्सी' एक फिल्म कम, एक अनुभव ज्यादा है। यह आपको सोचने पर मजबूर करती है कि प्रगति और विकास के दावों के बीच महिला सुरक्षा आज भी सबसे बड़ा सवाल क्यों है। सिनेमाघर की लाइट जलने के बाद भी यह फिल्म आपके भीतर चलती रहती है। और शायद यही इसकी सबसे बड़ी कामयाबी है।

'बैटल ऑफ गलवान' का रोमांटिक ट्रैक 'मैं हूं रिलीज

सलमान खान फिल्म्स ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' से वैलेंटाइन स्पेशल रोमांटिक ट्रैक 'मैं हूं' रिलीज कर दिया है। सलमान खान और चित्रांगदा सिंह पर फिल्माया गया यह गीत फिल्म की भावनात्मक धड़कन को खूबसूरती से सामने लाता है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर गाना शेयर करते हुए बताया कि 'मैं हूं' एक फौजी और उसके परिवार के बीच के रिश्ते की संवेदनशील कहानी कहता है। इसमें परिवार के साथ बिताए खुशनुमा लम्हों से लेकर ड्यूटी की पुकार पर होने वाली जुदाई तक का भावनात्मक सफर दिखाया गया है। गीत में घर की गर्माहट, मुस्कुराहटें और जश्न के पल हैं, तो वहीं अकेलेपन और इंतजार की टीस भी। यह संतुलन गाने को बेहद मार्मिक बना देता है।

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पॉन्सिबिलिटी है

विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय और महाराष्ट्र साइबर सेल का कंबोडिया में बड़ा रेस्क्यू ऑपरेशन

साइबर गुलामी रैकेट से 520 भारतीयों का किया गया रेस्क्यू

एजेंसी । नई दिल्ली/मुंबई

विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय और महाराष्ट्र साइबर सेल ने कंबोडिया में संयुक्त रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर अंतरराष्ट्रीय साइबर गुलामी रैकेट का पर्दाफाश किया है। वर्ष 2023 से 2025 के बीच कंबोडिया में संचालित अवैध साइबर स्कैम सेंटर्स से कम से कम 520 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। यह कार्रवाई कंबोडियाई पुलिस के सहयोग से की गई।

200 ठिकानों पर कार्रवाई, 173 गिरफ्तार

अब तक इस अंतरराष्ट्रीय साइबर रैकेट से जुड़े करीब 200 ठिकानों पर कार्रवाई की जा चुकी है और 173 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। म्यांमार-थाइलैंड सीमा पर स्थित केके पार्क को लंबे समय से साइबर ठगी का बड़ा अड्डा माना जाता रहा है, जहां भारत समेत कई देशों के नागरिकों को बंधक बनाकर रखा गया था।

अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क का खुलासा

जांच में सामने आया कि इस रैकेट के तार कई देशों से जुड़े थे। कूटनीतिक दबाव और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के बाद कंबोडियाई प्रशासन ने अपने यहां सक्रिय साइबर अपराध नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई तेज की, जिससे बड़े पैमाने पर इस रैकेट का भंडाफोड़ हुआ।

नौकरी के नाम पर फंसाया गया जाल

पीड़ितों ने बताया कि उन्हें पहले थाइलैंड या अन्य देशों में आकर्षक नौकरियों और ऊंचे वेतन का लालच देकर बुलाया गया। विदेश पहुंचते ही उनके पासपोर्ट जब्त कर लिए गए और भारी सुरक्षा वाले परिसरों में बंद कर दिया गया। इसके बाद उनसे जबरन ऑनलाइन ठगी कराई जाती थी।

यातनाओं की दर्दनाक कहानी

रेस्क्यू किए गए युवाओं ने अमानवीय यातनाओं का खुलासा किया है। उनके अनुसार काम से इनकार करने या टारगेट पूरा न होने पर बिजली के झटके दिए जाते थे, कई दिनों तक सोने नहीं दिया जाता था और कुछ मामलों में नाखून तक उखाड़ लिए गए।

ठगी के तरीकों का इस्तेमाल

जबरन कराई जाने वाली ठगी में हनी ट्रैप, इन्वेस्टमेंट फ्रॉड और क्रिप्टोकरेंसी स्कैम शामिल थे। महाराष्ट्र साइबर सेल के अनुसार, इन युवाओं से रोजाना बड़े पैमाने पर साइबर अपराध कराए जाते थे और लक्ष्य पूरा न होने पर उन्हें दंडित किया जाता था।

हिमंत विश्व शर्मा के भाई बनाए गए सीआईडी के एसएसपी

एजेंसी । गुवाहाटी

असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व शर्मा के भाई और बरपेटा के एसएसपी सुशांत विश्व शर्मा का तबादला कर दिया गया है। सूबे के पुलिस विभाग में यह बड़ा बदलाव विधानसभा चुनावों के ठीक पहले किया गया है। सुशांत विश्व शर्मा अब सीआईडी (महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध) के सीनियर एसएसपी बनाए गए हैं। उनकी जगह पुष्किन जैन बरपेटा के नए एसएसपी होंगे। गुवाहाटी के डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (इंटेलिजेंस) हरेकृष्ण नाथ को सीआईडी (वाइट कॉलर क्राइम) का एसएसपी बनाया गया है, और उनकी जगह हिरण्य कुमार बर्मन लेंगे।

असम में कब तक हो सकते हैं चुनाव?

असम में विधानसभा के चुनाव मार्च-अप्रैल 2026 में हो सकते हैं। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल मई 2026 में खत्म हो रहा है। 2021 में सूबे में हुए पिछले विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने शानदार जीत दर्ज की थीं। एनडीए में बीजेपी ने 60, असम गण परिषद ने 9 और यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल ने 6 सीटें जीती थी, और इस तरह गठबंधन को कुल 75 सीटें मिली थीं। कांग्रेस के नेतृत्व वाले महाजोत ने 50 सीटें हासिल की थीं, जिसमें कांग्रेस 29 और AIUDF 16 पर सिमट गई थी। एनडीए ने सूबे में लगातार दूसरी बार सरकार बनाई, जो असम में कांग्रेस के अलावा किसी भी पार्टी या गठबंधन के लिए पहला ऐसा मौका था।

प्रांजल बरुआ बनाए गए सादिया के डीएसपी

बसिष्ठ के सहायक पुलिस आयुक्त प्रांजल बरुआ को सादिया का डीएसपी बनाया गया है। उनकी जगह एसटीएफ के डीएसपी सत्येंद्र सिंह हजारी लेंगे। सादिया के डीएसपी नैमुद्दीन को चराइदेव का डीएसपी (सिक्योरिटी) बनाया गया है जबकि वहां के मौजूदा अधिकारी मृणाल कुमार दास अब डीएसपी (सिक्योरिटी) बनाए गए हैं। विजिलेंस और एंटी-करप्शन के डीएसपी ऋतुपर्ण गोगोई को तिनसुकिया का डीएसपी बनाया गया है। उनकी जगह अमर ज्योति सैकिया लेंगे। ये सभी बदलाव गृह और राजनीतिक विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अजय तिवारी के आदेश से हुए हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

पंजाब प्रांत में 26 आतंकवादी गिरफ्तार

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में प्रतिबंधित टीटीपी और अल-कायदा के आतंकियों सहित 26 आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया है, जिन्होंने विभिन्न शहरों में महत्वपूर्ण इमारतों को निशाना बनाने की साजिश रची थी। यह दावा एजेंसियों ने शनिवार को किया। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पुलिस ने एक बयान में कहा कि पिछले एक महीने के दौरान प्रांत के विभिन्न हिस्सों से 26 व्यक्तियों के कब्जे से हथियार, विस्फोटक और अन्य प्रतिबंधित सामग्री भी बरामद की गई, जिनमें अल-कायदा और तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के पांच खतरनाक आतंकवादी शामिल हैं।

म्यूनिख में विदेश मंत्री एस जयशंकर का दौरा

म्यूनिख। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे। यहां उन्होंने जी7 समूह के विदेश मंत्रियों के साथ अहम बैठक की। यहां उन्होंने भारत के यूएनएससी को सहयोग समेत साझा हितों पर बात की। जयशंकर ने एक्स पर कुछ तस्वीरों को पोस्ट करके इसकी जानकारी दी। विदेश मंत्री ने लिखा समुद्री संचार रेखाओं की सुरक्षा, सबसे पहले प्रतिक्रिया करने वाले के तौर पर काम करना, बंदरगाह सुरक्षा को मजबूत करने और सबमरीन केबल संरचना के लिए मदद करने में हमारी भूमिका पर बल दिया। इस बातचीत में भारत और जी7 के बीच कई समानताएं और साझा हित पर भी मंथन हुआ। इसके साथ ही एस जयशंकर ने एक गोलमेज बैठक का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया, म्यूनिख में आस्पेन के राउंडटेबल 'दिल्ली डिसाइड्स: मैपिंग इंडियाज पॉलिसी कैलकुलस' के साथ अहम बैठक की।

इस्तीफा स्वीकार न करना बंधुआ मजदूरी के समान: केरल हाईकोर्ट

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने कहा है कि किसी कर्मचारी का इस्तीफा, सेवा अनुबंध की शर्तों के अधीन, नियोक्ता को स्वीकार करना ही होगा। बिना ठोस कारण के इस्तीफा स्वीकार करने से इनकार करना संविधान के अनुच्छेद 23 के तहत प्रतिबंधित बंधुआ मजदूरी के समान होगा। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति एन. नागरेश ने एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) में कार्यरत कंपनी सचिव को राहत देते हुए की। संबंधित अधिकारी ने अपना इस्तीफा दिया था, लेकिन पीएसयू ने उसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया और ड्यूटी पर लौटने के निर्देश देते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया। अदालत ने कहा कि यदि कर्मचारी ने नोटिस अवधि या अनुबंध की अन्य शर्तों का उल्लंघन नहीं किया है, तो नियोक्ता इस्तीफा अस्वीकार नहीं कर सकता। केवल गंभीर कदाचार या संस्था को आर्थिक नुकसान पहुंचाने जैसे मामलों में जहां अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित हो तो इस्तीफा रोका जा सकता है। पीएसयू ने यह दलील दी थी कि उसकी वित्तीय स्थिति खराब है।

मौत के गड्ढे

पांच साल में गड्ढों से होने वाली मौतों में 53 फीसदी का इजाफा

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत में गड्ढों की वजह से होने वाले सड़क हादसों में जान गंवाने वालों की संख्या पांच साल में 53 फीसदी बढ़ी है। 2020 से 2024 के बीच कुल 9,438 लोगों की जान गई। यह जानकारी सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने संसद को दी।

केंद्र ने लागू की सुधार व्यवस्था

गडकरी ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्गों की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है, जबकि राज्य सरकारें अपने-अपने क्षेत्रों की सड़कों का रखरखाव करती हैं। केंद्र ने मौजूदा एनएच नेटवर्क के प्राथमिकता देते हुए जवाबदेह एजेंसियों के जरिये वक्त पर सुधार की व्यवस्था लागू की है।

उत्तर प्रदेश सबसे अधिक प्रभावित राज्य

आंकड़ों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश सबसे अधिक प्रभावित राज्य रहा, जहां कुल मौतों का 54 फीसदी से अधिक हिस्सा दर्ज हुआ। 2021 में थोड़ी गिरावट के बाद मौतों की संख्या लगातार बढ़ती गई। सालाना 2020 में 1,555 मौतें हुईं। यह 2021 में घटकर 1,481 रह गईं। इसके बाद यह आंकड़ा 2022 में 1,856, 2023 में 2,161 और 2024 में बढ़कर 2,385 तक जा पहुंच गया। यूपी में इस दौरान कुल 5,127 मौतें दर्ज हुईं।

सुप्रीम कोर्ट पर एआई इम्पैक्ट समिट का असर

- 16-20 फरवरी तक वर्चुअल मोड में चलेगी अदालत
- ऑनलाइन जिरह करेंगे वकील

एजेंसी । नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में 16 से 20 फरवरी तक भारत मंडपम में आयोजित होने वाले 'एआई इम्पैक्ट समिट' के चलते संभावित ट्रैफिक जाम को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला लिया है। शीर्ष अदालत ने अधिवक्ताओं को इस अवधि के दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश होने की अनुमति दे दी है, अगर उन्हें अदालत में शारीरिक रूप से उपस्थित होने में कठिनाई हो।

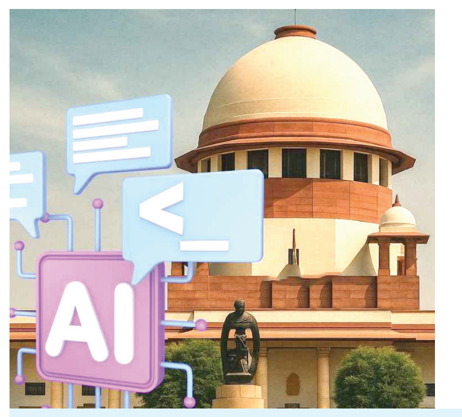

30 देशों के प्रतिनिधि समिट होंगे शामिल

गौरतलब है कि भारत मंडपम में आयोजित होने जा रहे पांच दिवसीय 'इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट' में 30 से अधिक देशों के हजारों प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। कार्यक्रम के मद्देनजर राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और 10,000 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी, जिससे सुरक्षा और यातायात प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सके।

अदालत के सर्कुलर में क्या?

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से किए गए अनुरोध पर संज्ञान लेते हुए अदालत ने इस संबंध में एक सर्कुलर जारी किया। सर्कुलर में कहा गया है कि भारत मंडपम के आसपास होने वाले कार्यक्रम के कारण सुप्रीम कोर्ट परिसर के आसपास ट्रैफिक जाम की आशंका है, इसलिए 16 फरवरी से 20 फरवरी 2026 के बीच वकील जरूरत पड़ने पर वर्चुअल माध्यम से पेश हो सकेंगे। अदालत ने स्पष्ट किया है कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से पेशी पूरी तरह वैकल्पिक होगी और इस दौरान सभी बेंच हाइब्रिड मोड में कार्य करेंगी। वर्चुअल उपस्थिति को सुगम बनाने के लिए संबंधित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग लिंक एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड को साझा किया जाएगा।

रिटायर होकर 20 साल बुक पब्लिश नहीं करा सकेंगे अफसर!

नई दिल्ली। सरकार रिटायरमेंट के बाद सीनियर पोस्ट पर रहे अधिकारियों के लिए 20 साल का कूलिंग-ऑफ पीरियड लागू करने पर विचार कर रही है। इस दौरान अफसर अपनी सर्विस से जुड़ी किताब प्रकाशित नहीं कर सकेंगे। हाल ही में पूर्व आर्मी चीफ जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अनपब्लिश किताब विवादों में है। एक रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई। कई मंत्रियों का मानना था कि मिलिट्री अधिकारियों समेत अहम पदों पर रहे अधिकारियों के लिए रिटायरमेंट के बाद किताब लिखने से पहले एक निश्चित कूलिंग-ऑफ पीरियड होना चाहिए। यह मुद्दा कैबिनेट के आधिकारिक 27 पॉइंट्स के एजेंडे में शामिल नहीं था।

कोरियाई दोस्त की मौत से दुखी केरल की छात्रा ने की आत्महत्या

- साइबर क्राइम एंगल पर जांच, पुलिस की रडार पर 'ब्लैक वेनम'

एजेंसी । कोच्चि

केरल के कोच्चि में 16 वर्षीय आदित्या की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में अब चौंकाने वाले पहलू सामने आया है। जांच एजेंसियां इस मामले को संगठित ऑनलाइन गतिविधियों के संदर्भ में देख रही हैं। अधिकारियों ने एक संदिग्ध इंस्टाग्राम अकाउंट की भूमिका की जांच शुरू की है, जिस पर नाबालिगों को कथित रूप से निशाना बनाने का संदेह है। आदित्या 27 जनवरी को स्कूल जाने की बात कहकर घर से निकली थी, लेकिन बाद में वह अपने घर के पास स्थित एक पत्थर की खदान में मृत पाई गई। घटनास्थल से मिले एक कथित सुसाइड नोट में उसने एक कोरियाई मित्र की कथित

मृत्यु से जुड़े भावनात्मक आघात का जिक्र किया था। हालांकि, पुलिस का मानना है कि मामले के पीछे ऑनलाइन प्रभाव की भी जांच

ऑनलाइन समूहों में गुमनाम खातों के जरिए बात करने का संदेह

जांचकर्ताओं को संदेह है कि नाबालिग बंद ऑनलाइन समूहों में गुमनाम खातों के जरिए बात कर रहे थे। इसके साथ ही सांकेतिक संदेशों का आदान-प्रदान कर रहे थे। अधिकारी इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि क्या कोई संगठित साइबर नेटवर्क भावनात्मक रूप से संवेदनशील सामग्री प्रसारित कर किशोरों को मानसिक रूप से प्रभावित कर रहा था।

ब्लैक वेनम नाम के इंस्टाग्राम अकाउंट पर जांच केंद्रित

जांच के केंद्र में 'ब्लैक वेनम' नाम का एक इंस्टाग्राम अकाउंट है, जिसे वह फॉलो कर रही थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस अकाउंट पर कोरियाई संगीत बैंड से संबंधित पोस्ट और ऐसी सामग्री साझा की जाती थी, जो किशोरों के कोरियाई पॉप संस्कृति के प्रति आकर्षण को भुनाने के उद्देश्य से तैयार की गई प्रतीत होती है। जानकारी के मुताबिक, घटना से पहले इस अकाउंट के 30 से अधिक फॉलोअर्स थे, लेकिन लड़की की मौत के बाद अचानक वे फॉलोअर्स गायब हो गए, जिससे समन्वित गतिविधि की आशंका जताई जा रही है।

झूठी शिकायतों पर सजा का बोर्ड लगाने की याचिका

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय में दायर एक जनहित याचिका में पुलिस थानों, अदालत परिसरों और सार्वजनिक कार्यालयों में ऐसे डिस्प्ले बोर्ड लगाने के निर्देश देने का अनुरोध किया गया है, जिन पर झूठी शिकायत दर्ज कराने, आरोप लगाने और मनगढ़ंत सबूत साझा करने पर मिलने वाली सजा की स्पष्ट जानकारी हो। याचिका का उद्देश्य लोगों को कानूनी परिणामों के प्रति जागरूक करना बताया गया है। याचिकाकर्ता अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने कहा है कि निर्दोष नागरिकों के खिलाफ झूठी शिकायतें, निराधार आरोप और फर्जी सबूत जीवन, स्वतंत्रता और गरिमा के अधिकार के साथ-साथ कानून के शासन के लिए गंभीर खतरा हैं।

बीएनएस-2023 के प्रावधान लागू करने की अपील

याचिका में कहा गया है कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस)-2023 के अध्याय 14 में झूठी शिकायतों और गलत साक्ष्य से निपटने के लिए विशेष प्रावधान मौजूद हैं, लेकिन केंद्र और राज्यों ने इन्हें लागू करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए हैं। इसमें यह भी मांग की गई है कि शिकायतकर्ताओं को झूठे मामले दर्ज कराने पर होने वाली सजा की जानकारी दी जाए और उनसे यह वचन/शपथ पत्र लिया जाए कि शिकायत, बयान, साक्ष्य और आरोपों में किए गए कथन सत्य और सही हैं।

तेलंगाना निकाय चुनाव में कांग्रेस की शानदार जीत

जनता ने हमारी नीतियों पर लगाई मुहर: राहुल गांधी

एजेंसी । हैदराबाद

तेलंगाना के स्थानीय निकाय चुनाव में कांग्रेस को मिली बड़ी जीत को लेकर पार्टी ने इसे राज्य सरकार की जनहित वाली नीतियों की मंजूरी बताया है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि यह नतीजा साफ दिखाता है कि जनता ने सामाजिक न्याय, सम्मान और सबको साथ लेकर विकास की सोच को समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि यह जीत सीधे तौर पर लोगों के भरोसे की जीत है।

निकाय चुनाव में कांग्रेस का प्रदर्शन

तेलंगाना में 11 फरवरी को 116 नगरपालिकाओं के 2,582 वार्डों में मतदान हुआ था। आए नतीजों में कांग्रेस ने 1,300 से ज्यादा वार्डों पर जीत दर्ज की। यह सबसे बड़ा आंकड़ा रहा। भारत राष्ट्र समिति यानी बीआरएस करीब 700 वार्डों पर रही। वहीं भाजपा ने भी मौजूदगी दर्ज कराते हुए लगभग 275 वार्ड जीते। इस तरह कांग्रेस ने स्पष्ट बढ़त के साथ स्थानीय निकायों में मजबूत पकड़ बनाई।

राहुल गांधी ने क्या कहा?

राहुल गांधी ने चुनाव नतीजों के बाद बयान जारी कर कहा कि तेलंगाना निकाय चुनाव में जीत कांग्रेस सरकार की "पीपल-फर्स्ट" यानी जनता को प्राथमिकता देने वाली नीतियों की पुष्टि है। उन्होंने कहा कि पार्टी का लक्ष्य "प्रजाला तेलंगाना" बनाना है, जहां विकास का लाभ हर परिवार तक पहुंचे। राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं को धन्यवाद देते हुए कहा कि यह जीत जमीनी स्तर पर काम करने वाले कार्यकर्ताओं और राज्य की जनता की है।

टारगेट किलिंग मामले में गवाहों के बयान दर्ज, कल सुनवाई

- पंजाब में आरएसएस और हिंदू नेताओं की हत्या से जुड़ा है मामला

एजेंसी । नई दिल्ली

नई दिल्ली। पंजाब में 2016-17 के दौरान आरएसएस और हिंदू नेताओं की कथित टारगेट किलिंग से जुड़े मामलों की सुनवाई पटियाला हाउस स्थित विशेष राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) अदालत में हुई। अदालत में हरदीप सिंह उर्फ शेरा, रमनदीप सिंह उर्फ बग्गा, जगतार सिंह जोहल उर्फ जग्गी, मनप्रीत सिंह और अमनिंदर सिंह को पेश किया गया। कुल

14 आरोपियों के खिलाफ हत्या, आपराधिक साजिश और यूएपीए के तहत आरोप हैं। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रशांत शर्मा की अदालत में एनआईए ने एक संरक्षित गवाह का बयान दर्ज कराया। आरोपियों की ओर से अधिवक्ता जसपाल सिंह मंजपुर ने बताया कि सभी आरोपी 2017 से न्यायिक हिरासत में हैं और मामला सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दिल्ली की एनआईए अदालत में स्थानांतरित किया गया था।

हम हिन्दुस्तानी | 6 महीने में लाखों वर्चुअल दवाएं बनाई, ड्रग्स से बचाई 60 लाख लोगों की जान

टाइम ने माना भारतीय मूल के एक्सपर्ट्स का लोहा

एजेंसी । नई दिल्ली

टाइम मैगजीन ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में 2026 की एक लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में 100 सबसे प्रभावशाली लोगों के नाम दिए गए हैं। इसमें उन डॉक्टर्स के नाम हैं जिन्होंने बच्चे की आनुवंशिक बीमारी के इलाज के लिए कस्टमाइज्ड क्रिस्पर थेरेपी की है। स्वास्थ्य क्षेत्र में 100 प्रभावशाली लोगों की लिस्ट में 39 महिलाएं हैं। इस लिस्ट में छह भारतीय और छह भारतीय मूल के एक्सपर्ट्स के नाम हैं।

100 प्रभावशाली स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सूची जारी, छह भारतीय शामिल

प्रीति बंडी : प्रीति बंडी दशकों से कैंसर पर रिसर्ज कर रही हैं। इनका मानना है कि अमेरिका में हर योग्य वयस्क की फेफड़ों में कैंसर की स्क्रीनिंग से पांच साल में 62 हजार मौतें रोकी जा सकती हैं।

करण सिंघल : करण सिंघल ने ओपन एआई नाम से हेल्थ टीम बनाई, जिसमें 260 डॉक्टर्स के साथ मिलकर चैटजीपीटी फॉर हेल्थकेयर तैयार किया। ये टीम लोगों को सही सलाह और इलाज देने के लिए बनाई गई। दुनियाभर से रोजाना करीब चार करोड़ लोग इनसे कंसल्ट करते हैं। ये यूनिट लोगों के मेडिकल रिकॉर्ड को भी अपलोड करने की सुविधा देती है, जिससे सही बीमारी का विश्लेषण किया जाता है।

किरण मुसुनुरु : किरण मुसुनुरु ने जीन थेरेपी एक्सपर्ट डॉ. रेबेका निक्लास के साथ मिलकर कस्टमाइज क्रिस्पर तकनीक से बच्चों की दुर्लभ जेनेटिक बीमारियों के इलाज की खोज की। किरण मुसुनुरु का फोकस जन्मजात जीन म्यूटेशन सुधारने पर है। इनकी खोज की वजह से वक्त पर इलाज मिलने से बीमारी का असर कम हो जाता है और जीवन की गुणवत्ता बेहतर हो रही है।

सिद्धार्थ मुखर्जी : सिद्धार्थ मुखर्जी मेडिकल साइंस में बड़ा टर्निंग प्वाइंट लेकर आ सकते हैं। कोलंबिया यूनिवर्सिटी के आंकोलॉजिस्ट ने रीड हॉफमैन के साथ मिलकर मानस एआई शुरू किया है, जिससे दवा की खोज में एआई की मदद ली जाती है। सिद्धार्थ मुखर्जी ने छह महीने में लाखों वर्चुअल दवाएं बनाई हैं। इनमें से कुछ दवाइयों का ट्रायल कैंसर सेल्स पर भी किया जाएगा।

नबरुन दासगुप्ता : सिद्धार्थ मुखर्जी मेडिकल साइंस में बड़ा टर्निंग प्वाइंट लेकर आ सकते हैं। कोलंबिया यूनिवर्सिटी के आंकोलॉजिस्ट ने रीड हॉफमैन के साथ मिलकर मानस एआई शुरू किया है, जिससे दवा की खोज में एआई की मदद ली जाती है। सिद्धार्थ मुखर्जी ने छह महीने में लाखों वर्चुअल दवाएं बनाई हैं। इनमें से कुछ दवाइयों का ट्रायल कैंसर सेल्स पर भी किया जाएगा।